तापमान
अधिकतम 31.6 डिग्री
न्यूनतम 18.0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 25 अक्टूबर 2026

12 डेहा कॉलोनी में सर्च अभियान 52 दोपहिया वाहन किए इंपाउंड



12 100 मी रेस में बाजी मारकर शालिनी बनी बेस्ट एथलीट



खबर संक्षेप

चोरों ने तीन स्थानों से चुराया लाखों का सामान

यमुनानगर। जिले में मकान व दुकान समेत तीन स्थानों से चोरों ने नगदी समेत हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मुसिंबल निवासी राजबीर ने बताया कि बीती रात चोरों ने उसके मकान में घुस कर 20 हजार रुपये की नगदी व करीब ढ़ाई लाख रुपये कीमत के चांदी के गहनें व अन्य सामान चोरी कर लिया। वहीं, जगाधरी निवासी हितेश गुप्ता ने बताया कि सुबह व दुकान पर पहुंचा तो उसकी दुकान से हजारों रुपये का सामान गायब मिला। रादौर क्षेत्र के गांव मसाना रांगड़ान में चोरों ने रविदास मंदिर को निशाना बनाया। शिकायतकर्ता चांद राम के अनुसार बीती रात किसी ने मंदिर का दानपत्र तोड़कर करीब 35 हजार रुपये चोरी कर लिए। घटना की शिकायत मिलने पर रादौर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जानलेवा हमले के दो आरोपी चार दिन के रिमांड पर

पानीपत। पुलिस की सीआईए श्री टीम ने जानलेवा हमला करने दो आरोपियों अमन पुत्र रणधीर व सागर पुत्र सुरेश कुमार निवासी गांव बडेसरा जिला भिवानी को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। इस मामले में सुरेंद्र पुत्र रामफल निवासी निवासी कुराना जिला पानीपत की शिकायत पर थाना मतलौडा की उरलाना चौकी में केस दर्ज है।

पिस्टल सप्लाई करने वाला छह दिन के रिमांड पर

पानीपत। सीआईए श्री टीम ने मुख्य आरोपी विपुल पुत्र अरूण सिंह निवासी नजदीक मिट्टन दी हट्टी राजपूताना बाजार पानीपत को पिस्टल सप्लाई करने का आरोपी सन्नी पुत्र धर्मबीर निवासी गांव नांगल खेड़ी जिला पानीपत को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सन्नी को इस मामले में पूछताछ के लिए कोर्ट में पेश कर छह दिन के रिमांड पर लिया है। स्मरणीय है कि पुलिस ने विपुल को अवैध देसी पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ पकडा था और इस मामले में थाना शहर में केस दर्ज है।

मंत्री आवास का घेराव करेंगे सफाई कर्मी

पानीपत। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रदर्शन की तैयारी को लेकर सीटू दफ्तर में यूनियन के कार्यकर्ताओं बैठक जिला प्रधान सुल्तान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में यूनियन के प्रदेश महासचिव व सीटू के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि यूनियन की मांगों को लेकर 30 अक्तूबर को पंचायत मंत्री आवास पर प्रदेश भर के ग्रामीण सफाई कर्मचारी आंदोलन करेंगे। बैठक में यूनियन के नेता गुलाब, सीटू नेता सुनील दत्त, जयभगवान आदि उपस्थित रहे।

सीएम नायब सैनी के दौरे की तैयारियां पूरी

पानीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह के 25 अक्टूबर रविवार को पानीपत आगमन को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। शनिवार को उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ व पुलिस अधीक्षक मेधा भूषण ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दोनों कार्यक्रम स्थलों सहित हेलीपैड का फाइनल रिहर्सल किया और तैयारियों का जायजा लिया। सीएम नायब सैनी रविवार को पानीपत में आयोजित खटीक गर्जना सम्मेलन तथा भोड़वाल माजरी में आयोजित संत निरंकारी समागम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

आर्यन हत्याकांड में एक और काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल, 24 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक करनाल करन गोयल, आईपीएस के निर्देश पर सीआईए-1 की टीम ने आर्यन हत्याकांड में कार्रवाई करते हुए हिमेश तनेजा उर्फ काकून निवासी शांति नगर, करनाल को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को रामनगर क्षेत्र से काबू किया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर 2026 को थाना सिविल लाइन में हत्या और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान हिमेश तनेजा की कथित संलिप्तता सामने आने पर सीआईए-1 प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक मदन सिंह की टीम ने उसे गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में आरोपी के खिलाफ पहले भी लड़ाई-झगड़े का एक मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड हासिल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले में वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच जारी है।

चार साल, चार देश और 136 मैराथन 50 पार डॉ. विर्क का जज्बा युवाओं के लिए बड़ी मिसाल

- शिकागो में 42 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर फहराया तिरंगा, करनाल के कर्ण स्टेडियम से शुरू हुआ था फिटनेस का सफर

धर्मेंद्र खुराना ▶▶ करनाल



उम्र के 50वें पड़ाव को पार करने के बाद भी जोश और जुनून बरकरार हो, तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं। करनाल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बलवीर सिंह विर्क ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से इसे साबित कर दिखाया है। उन्होंने चार वर्षों में चार देशों और देश के कई शहरों में 136 मैराथन व मिनी मैराथन में हिस्सा लेकर फिटनेस की अनूठी मिसाल पेश की है। हाल ही में उन्होंने अमेरिका के शिकागो में 42 किलोमीटर की मैराथन पूरी कर तिरंगा फहराया। डॉ. विर्क के लिए यह सफर आसान नहीं था। करीब पांच वर्ष पहले उनका वजन बढ़ने लगा था और जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के संकेत मिलने लगे थे। इसके बाद उन्होंने अपनी दिनचर्या बदलने का फैसला किया और करनाल के कर्ण स्टेडियम में दौड़ना शुरू किया। उनके मित्र एवं सहकर्मी प्रवेश गाबा भी इस मुहिम में साथ जुड़ गए। धीरे-धीरे यह प्रयास एक समूह में बदल गया, जिसमें आज करीब 35 सदस्य नियमित रूप से दौड़ते हैं।

डॉ. विर्क का मैराथन और फिटनेस मंत्र

डॉ. विर्क अब तक 11 मैराथन और 125 मिनी मैराथन में भाग ले चुके हैं। उन्होंने अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन सहित चार देशों में दौड़ लगाई है। भारत में कोलकाता, दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। शिकागो मैराथन में करनाल के राहुल चौधरी ने भी हिस्सा लिया। डॉ. विर्क का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति को रोजाना एक से डेढ़ घंटा अपने शरीर और स्वास्थ्य के लिए जरूर निकालना चाहिए। पिछले चार वर्षों से उन्होंने खानपान में भी अनुशासन अपनाया है और जंक फूड से दूरी बनाई है। उनका मानना है कि नियमित व्यायाम और संतुलित आहार से जीवनशैली को बेहतर बनाया जा सकता है। सर्दियों में भी व्यायाम जारी रखना चाहिए, ताकि शरीर सक्रिय और स्वस्थ रहे।

नाकाबंदी तोड़ भाग रहा था, तरावड़ी में हुई मुठभेड़

त्रिशूल गैंग के बदमाश अनिल की टांग में मारी गोली, गिरफ्तार

पहले से 4-5 मामले दर्ज होने का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

तरावड़ी क्षेत्र में गांव भैणी खुर्द और रुकनपुर के बीच रजवाहे की पुलिया पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार मोटरसाइकिल सवार युवक ने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली उसकी टांग में लगी और वह घायल हो गया। आरोपी की पहचान गांव अरजेहड़ी निवासी अनिल पुत्र शिव कुमार के रूप में हुई है। पुलिस उसे त्रिशूल गैंग का सक्रिय सदस्य बता रही है।

- पहले से 4-5 मामले दर्ज होने का दावा

शुक्रवार रात एसआई संजय कुमार अपनी टीम के साथ काछवा रोड पर नहर पुल के पास गश्त और जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि अनिल पल्सर मोटरसाइकिल पर गांव भैणी से रुकनपुर होते हुए करनाल की तरफ आने वाला है और उसके पास अवैध हथियार होने की आशंका है।



करनाल। मुठभेड़ में घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाती पुलिस।

पुलिस पर दो फायर, जवाबी कार्रवाई में घायल

पुलिस ने गांव भैणी से रुकनपुर जाने वाले रास्ते पर रजवाहे की पुलिया के पास नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद तेज रफ्तार मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी से चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह नहीं रुका। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली उसकी टांग में लगी। घायल अनिल को करनाल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने दो फायर किए, जबकि पुलिस की ओर से तीन फायर किए गए। इलाज के बाद आरोपी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा और रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक अनिल के खिलाफ पहले से 4-5 मामले दर्ज हैं। पूछताछ में यह पता लगाया जाएगा कि वह हथियार लेकर कहां और किस उद्देश्य से जा रहा था तथा हथियार कहां से लेकर आया था।

आधी रात गोवंश से भरा ट्रक घेरा 16-17 गाय-बछड़े बरामद



करनाल। बलड़ी बाईपास पर पकड़ा गया गोवंश से भरा ट्रक।

करनाल। करनाल में गो-रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने बलड़ी बाईपास के पास गोवंश से भरे एक ट्रक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। शिकायतकर्ता अरविंद का आरोप है कि ट्रक में करीब 16-17 गाय और बछड़े ठूंस-ठूंसकर भरे थे, जिन्हें अंबाला की ओर से करनाल होते हुए दिल्ली की तरफ ले जाया जा रहा था। पुलिस ने ट्रक चालक और उसके साथ बैठे व्यक्ति के खिलाफ हरियाणा गोवंश संरक्षण एवं गोसंवर्धन अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। शिव कॉलोनी निवासी अरविंद ने थाना सदर पुलिस को बताया कि उसे गोवंश से भरे ट्रक के आने की सूचना मिली थी। इसके बाद वह संदीप राणा, कुलदीप, नवीन व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बलड़ी बाईपास पहुंचा और डायल-112 को सूचना दी। पुलिस की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। कुछ देर बाद बताए गए नंबर का ट्रक आया तो उसे रुकवाकर जांच की गई। ट्रक में मौजूद चालक ने अपना नाम जहीर अहमद निवासी बरेली, उत्तर प्रदेश और उसके साथ बैठे व्यक्ति ने मांगी राम निवासी सहारनपुर, उत्तर प्रदेश बताया। अरविंद के अनुसार थाने में गोवंश की गिनती के दौरान करीब 16-17 गाय और बछड़े मिले। शिकायतकर्ता ने ट्रक के आगे चल रही पंजाब नंबर की स्विफ्ट कार पर भी संदेह जताते हुए उसमें सवार लोगों की भूमिका की जांच की मांग की है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गोवंश कहां से लाया गया और कहां ले जाया जा रहा था।

फर्जी बैंक कर्मी बनकर साइबर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

- शिकायतकर्ता से ठगी गई राशि की शत-प्रतिशत रिकवरी, अब तक कुल तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम की टीम ने फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर ऑनलाइन साइबर ठगी करने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से ठगी गई 1 लाख 35 हजार रुपये की पूरी राशि बरामद कर ली गई है। इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इस प्रकार अब तक कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओम नारायण निवासी गांव लाल खेड़ा, थाना बारा सगरा, जिला उन्नाव, उत्तर प्रदेश तथा अक्षय प्रताप सिंह निवासी गांव बिकापुर, थाना औंग, जिला फतेहपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई प्रदीप कुमार ने बताया कि 27 अगस्त 2026 को दलजीत सिंह निवासी गांव भानोखेड़ी की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता के साथ फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर संपर्क किया गया और ओटीपी हासिल कर ऑनलाइन माध्यम से 1 लाख 35 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। मामले की जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अक्षय प्रताप सिंह ने बैंक कर्मचारी बनकर शिकायतकर्ता से ओटीपी मांगा था। पुलिस टीम ने जांच को आगे बढ़ाते हुए मामले में संलिप्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा ठगी गई पूरी राशि बरामद कर ली।

केवाईसी अपडेट करने के नाम पर 6.42 लाख ठगे

अंबाला। बैंक खाते की केवाईसी अपडेट करने के नाम पर एक व्यक्ति से 6.42 लाख रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने उत्तर प्रदेश से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के हापुड़ के कैफ और संभल के मोहम्मद उजैक के रूप में हुई है। पुलिस ने कैफ को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि मोहम्मद उजैक को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब ठगी की रकम बरामद करने और गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार शहजादपुर क्षेत्र के गांव कड़ासन के रहने वाले अश्विनी कुमार ने 5 मार्च 2025 को साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया कि 27 फरवरी से 2 मार्च 2025 के बीच साइबर ठगों ने उन्हें केवाईसी अपडेट करने के नाम पर फर्जी लिंक भेजा। इसके झांसे में आने के बाद उनके बैंक खाते से 6 लाख 42 हजार रुपए निकल गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस जांच अधिकारी एएसआई सुनील कुमार के अनुसार, साइबर क्राइम थाना प्रभारी एसआई संदीप कुमार के नेतृत्व में टीम ने कॉल डिटेल और डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया।

सीपीसीबी का शिकंजा कसने से तिलमिलाएं डायर्स

- डायर्स ने हड़ताल की चेतावनी दी, डीसी ने चेताया- प्रदूषण नियंत्रण के हर नियम को मानना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत डायर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित बैठक में पानीपत के विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा डाईंग यूनिटों को परेशान करने पर चिंता जताई गई। वहीं दीपावली के बाद हड़ताल पर जाने एवं समस्याओं को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में जहां सदस्यों ने अपनी समस्याओं को रखा वहीं दीपावली उत्सव भी मनाया। बैठक में एक्सपोर्ट एसोसिएशन के प्रधान ललित गोयल, पूर्व प्रधान यशपाल मलिक, हरियाणा इनवायरमेंट एसोसिएशन के प्रधान भीम राणा, अशोक गुप्ता, नवीन बंसल, विभु पालीवाल, सुभाष नारंग, संजीव मनचंदा, राजेश जैन, अशोक बांगा, रामप्रताप गुप्ता को सम्मानित किया गया। बैठक में पानीपत डायर्स एसोसिएशन के प्रधान नितिन अरोड़ा ने बताया कि सेंटर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड उनके उद्योगों पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग कर रहा है। यहां तक की मौसम या किसी कारणवश नेट में कोई प्रॉब्लम आ जाती है तो उसके लिए भी डाईंग यूनिट को कसूरवार ठहराकर नोटिस जारी कर दिया जाता है।



पानीपत। डायर्स एसो. के पदाधिकारी एक्सपोर्ट एसो. के प्रधान ललित गोयल को सम्मानित करते हुए।

आयोग के बीमा कंपनी को बीमित राशि देने के आदेश

पानीपत। पानीपत में दिनेश कुमार निवासी शास्त्री नगर, भापरा रोड, समालखा की कार चोरी होने के मामले में बीमा कंपनी की ओर से बीमित राशि का भुगतान नहीं करने पर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष डॉ. आरके डोगरा, सदस्य डॉ. रेखा चौधरी, विनीत कौशिक की पीठ ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को उपभोक्ता सेवा में कमी का जिम्मेदार ठहराया है। आयोग ने कंपनी को शिकायतकर्ता को कार की बीमित राशि 415 861 रुपए के साथ शिकायत दर्ज करने की तारीख से भुगतान होने तक 9 प्रतिशत सालाना ब्याज देने के आदेश दिए हैं।

अनाधिकृत कॉलोनी में किए जा रहे अवैध निर्माण पर नगर योजनाकार विभाग का चला पीला पंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा नियंत्रित एरिया में राजस्व संपदा गनौली में विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी में अवैध निर्माण कार्य को जेसीबी मशीन से तोड़ फोड़ दिया गया। जिला नगर योजनाकार अधिकारी राजेश कुमार ने नागरिकों से अनाधिकृत कालोनियों में अपनी मेहनत से कमाई हुई पूंजी को निवेश नहीं करने के लिए आहवान किया है। जिला नगर योजनाकार अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि छछरौली के गांव गनौली में बिना अनुमति के एक अनाधिकृत कॉलोनी विकसित की जा रही है। उन्होंने सूचना मिलते ही मामले के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया। जिसके बाद उपायुक्त प्रीति के निर्देश पर वह विभाग के स्टाफ के साथ मौके पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रुप में तैनात किए गए प्रतापनगर पंचायत विभाग के एसडीओ विनोद कुमार की मौजूदगी में विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी स्थल पर पहुंचे। मौके पर पुलिस बल भी तैनात रहा।



कार्रवाई से पहले दिए थे नोटिस

जिला नगर योजनाकार अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा कार्रवाई करने से पहले चूककर्ताओं को कंट्रोल एरिया एक्ट नंबर 12 की उपधारा 2 ऑफ 1963 के तहत नियमानुसार नोटिस जारी किए गए थे।

गलत साइड से आए ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, दोस्त घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

पिहोवा में अंबाला-हिसार हाईवे-152 पर भट्ट माजरा गांव के पास गलत साइड से आए ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान यमुनानगर जिले के गांव ताहरपुर कलां निवासी कुलदीप सिंह के रूप में हुई है। वह डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता था और अपनी ससुराल गांव जुरासी कलां आया हुआ था। वहां से वह अपने दोस्त शुभम के साथ वापस लौट रहा था। शुभम ने पुलिस को बताया कि रात करीब आठ बजे वे भट्ट माजरा गांव के पास एचपी पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंचे तो सामने से तेज रफ्तार में गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी बाइकों को टक्कर मार दी। कुलदीप की बाइक ट्रैक्टर के बंपर से टकरा गई, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से दोनों को निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। घायल शुभम का उपचार चल रहा है। कुलदीप के दो बेटे हैं, जिनकी उम्र पांच और सात साल है। थाना सदर पिहोवा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गन्ने की पेराई शुरू, खांड की मिठास में तैयार कर रहे गुड़

गुड़ से महकने लगा हरियाणा का वातावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा प्रदेश के शुगर मिलों में भले ही अभी गन्ना पेराई का कार्य शुरू होने में देरी है। लेकिन जिले में बिलासपुर क्षेत्र समेत अन्य स्थानों व प्रदेश की सीमा के साथ लगते यूपी क्षेत्र में अधिकांश गन्ना क्रशरों (चरखियों) में गन्ने की पेराई का कार्य शुरू हो चुका है। वहीं, जिनमें अभी गन्ना पेराई का कार्य शुरू नहीं हुआ है उनमें भी तैयारियां जोरों पर हैं। खास बात यह है कि गन्ना क्रशरों में बनाए जा रहे गुड़ की मिठास में देसी खांड को मिलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि गन्ना अभी कच्चा होने की वजह से गुड़ को सही रुप देने के लिए उसमें देसी खांड का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी कुछ चरखियों में गन्ना पेराई का कार्य आंकड़ो के मुताबिक जिले में करीब सैंकड़ो गुड़ की चरखियां व क्रेशर हैं। जिनमें सबसे अधिक बिलासपुर क्षेत्र में हैं। वहीं, सरस्वती क्षेत्र व छछरौली समेत जिले की सीमा से सटे हुए यूपी क्षेत्र में गुड़ की चरखियां लगी हुई हैं। जिनमें रोजाना हजारों क्विंटल गन्ना पेराई शुरु हो चुकी है।





नहीं पकी है अभी गन्ने की फसल

कृषि विशेषज्ञों की मानें तो गन्ना की फसल पकने में अभी एक महीना और लग सकता है। अमूमन गन्ने की अगेती फसल नवंबर के अंत तक पक कर तैयार होती है। इसके बाद ही गन्ने के रस से सही गुड़ बनता है। लेकिन कुछ स्थानों पर गन्ना क्रशरों (चरखियों)में गुड़ बनाया जा रहा है। जिसे अधिक दिन तक जहां स्टोर करना मुमकिन नहीं है। गन्ना विशेषज्ञों के मुताबिक आजकल गन्ना पेराई करने से औसतन प्रति 12 क्विंटल गन्ने पर एक क्विंटल गुड़ बनता है। जबकि गन्ने की फसल पकने के बाद इसकी औसत घट कर प्रति दस क्विंटल गन्ने पर एक क्विंटल गुड़ बनता है। वहीं, आजकल गुड़ बनाने के लिए उसमें खांड व चीनी आदि मिलाई जा रही है। जबकि गन्ना की फसल पकने के बाद गुड़ में कोई अन्य चीज मिलाने की जरूरत नहीं है।

क्या कहते हैं चिकित्सक: गन्ना विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ चिकित्सक डा. अतूल निहलानी सहारनपुर का कहना है कि गुड़ बनाने के लिए आजकल खांड के अलावा अन्य केमिकल हाईड्रो, हाईड्रोक्लाली तथा कई प्रकार के रंग प्रयोग किए जा रहे हैं। जिससे न केवल इन केमिकल्स युक्त पदार्थों से प्रयोग से गुड़ सहेत के लिए नुक्सानदायक है, बल्कि यह खाने के लिए भी स्वादिष्ट नहीं है।

खबर संक्षेप

दुकान में चोरी मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार



करनाल। जिले में चोरी और सेंधमारी के मामलों में कार्रवाई करते हुए सीआईए असंध की टीम ने निसिंग में दुकान का शटर तोड़कर करीब छह लाख रुपये चोरी करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रवीण पुत्र उमादत्त निवासी गांधार, जिला रोहतक के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, निसिंग निवासी खड्ग सिंह ने शिकायत दी थी कि ओरिएंटल बैंक के पास स्थित उनकी कपड़े की दुकान का शटर तोड़कर नकदी चोरी कर ली गई। इस संबंध में थाना निसिंग में मामला दर्ज किया गया था।

पहले दो आरोपियों से हुई बरामदगी सीआईए असंध प्रभारी उप निरीक्षक सलिंदर कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने इससे पहले नरेंद्र निवासी बेरीखेड़ा, जिला जींद और हरीकेश उर्फ केसू निवासी कबूलपुर, जिला रोहतक को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की नकदी और चोरी के पैसों से खरीदी गई एक गाड़ी बरामद करने की जानकारी दी थी। अब तीसरे आरोपी प्रवीण की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर अमृतवर्षा समागम कल

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 26 अक्टूबर सोमवार को तृतीय 'अमृतवर्षा समागम' श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। यह समागम शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाशपर्व को समर्पित रहेगा तथा महर्षि वाल्मीकि जी महाराज के प्रकट दिवस के पावन उपलक्ष्य में संपन्न होगा। धार्मिक आयोजन का स्थल डॉ. बी.आर. अंबेडकर चौक के समीप स्थित प्राचीन ऐतिहासिक शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज मंदिर एवं धर्मशाला परिसर रहेगा। समागम में डेरा स्वामी जगतगिरी आश्रम, पठानकोट (पंजाब) के गद्दीनशीन पूज्य संत श्रीश्री 108 स्वामी गुरदीप गिरि जी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वे अपने पावन प्रवचनों और अमृतवाणी से संगत को निहाल करते हुए गुरु महिमा व उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संदेश देंगे।

कल होने वाली महापंचायत के लिए दिया न्यौता

कुरुक्षेत्र। 26 अक्टूबर को रोहतक में होने वाली महापंचायत को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में छोटे-छोटे ग्रुपों में मीटिंग की जा रही है। लोगों को ले जाने के लिए साधनों का इंतजाम किया जा रहा है। यह जानकारी आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष कामरेड राजकुमार सारसा ने जारी बयान में दी। उन्होंने कहा कि यह किसान-मजदूर, छात्र -युवा, महिला महापंचायत एक नई मिसाल पेश करेगी। महापंचायत में शहीद भगत सिंह की भानजी गुरजीत कौर, जे एन यू के जाने-माने अर्थशास्त्री अरुण कुमार, किसान खेत मजदूर संगठन के अध्यक्ष सत्यवान आदि शामिल होंगे।

फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए कई टीमें गठित

एसडीएम ने घरौंडा मंडी में किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ घरौंडा



- बिना गेटपास मंडी में धान उतारने का मामला आया सामने

घरौंडा की अनाज मंडी में धान की आवक और आढ़तियों के रिकॉर्ड में अंतर की आशंका के चलते प्रशासन ने जांच तेज कर दी है। एसडीएम अनुभव मेहता ने शनिवार को अनाज मंडी का औचक निरीक्षण करते हुए मंडी में फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू करवा दी। इसके लिए कई टीमें गठित की गई हैं, जो मंडी की प्रत्येक दुकान पर जाकर मौके पर मौजूद धान की फसल और रिकॉर्ड में दर्ज आवक का मिलान करेंगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से मंडी में हलचल मच गई और आढ़ती अपने रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने में जुट गए।

एसडीएम के निर्देश पर गठित टीमें मंडी में धान के स्टॉक, खरीद से संबंधित दस्तावेजों और आवक के रिकॉर्ड की जांच करेंगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह पता लगाना है कि मंडी में जितनी फसल पहुंची है, उसका पूरा विवरण संबंधित रिकॉर्ड में दर्ज है या नहीं। मौके पर मौजूद धान की मात्रा और दस्तावेजों में दर्ज आंकड़ों का मिलान कर किसी भी तरह की विसंगति की पड़ताल की जाएगी। बिना गेटपास फसल मंडी में उतारने और ट्रैक्टर पर रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं होने के मामले की जांच के दौरान संबंधित तथ्यों का सत्यापन किया जाना जरूरी होगा। प्रशासन की कार्रवाई का उद्देश्य मंडी में फसल की आवक और खरीद से जुड़ी प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित करवाना है। धान के सीजन के दौरान अनाज मंडी में किसानों की फसल की आवक, गेटपास, खरीद और रिकॉर्ड का सही रखरखाव महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में एसडीएम की ओर से शुरू करवाई गई फिजिकल वेरिफिकेशन को मंडी की व्यवस्थाओं की जांच के रूप में देखा जा रहा है। कई टीमों के एक साथ दुकानों पर पहुंचकर रिकॉर्ड खंगालने से वास्तविक स्टॉक और दर्ज आवक की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। अब जांच के दौरान यह सामने आएगा कि मंडी में उपलब्ध धान और आढ़तियों के रिकॉर्ड में कितना अंतर है तथा बिना गेटपास फसल उतारने के मामले में किन परिस्थितियों में धान मंडी में पहुंचा। फिलहाल प्रशासन ने मंडी की दुकानों पर स्टॉक और रिकॉर्ड का मिलान शुरू करवा दिया है। जांच पूरी होने के बाद ही किसी तरह की अनियमितता के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

किसानों का वेरिफिकेशन जरूरी

निरीक्षण के दौरान एसडीएम अनुभव मेहता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मंडी में आने वाली फसल का किसान के माध्यम से बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन करवाना जरूरी है। धान की खरीद सरकारी एजेंसी ने की हो या निजी स्तर पर खरीद हुई हो, दोनों ही स्थितियों में आढ़ती को संबंधित खरीद और आवक की एंट्री अपने रिकॉर्ड में दर्ज करनी होगी। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि मंडी में आने वाली फसल का पूरा हिसाब उपलब्ध रहे और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। औचक निरीक्षण के दौरान मंडी में धान से भरी दो ट्रालियां भी एसडीएम के संज्ञान में आईं। बताया गया कि संबंधित ट्रैक्टर पर रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक किसान बिना गेटपास लिए ही धान मंडी में छोड़कर चला गया था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में लेने के निर्देश दिए।

छात्राओं को वैदिक संस्कार अपनाने के लिए किया प्रेरित



- महात्मा आनंद स्वामी की पुण्यतिथि पर भजन-संध्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में आर्य युवती परिषद के सौजन्य से आयोजित प्रेरणा सप्ताह के तहत महात्मा आनंद स्वामी की पुण्यतिथि पर छात्रावास में भजन-संध्या एवं यज्ञ का आयोजन किया गया। संस्कृत प्राध्यापिका डॉ. सीमा रानी और अंग्रेजी प्राध्यापिका डॉ. नीलम ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। छात्राओं ने वैदिक मंत्रोच्चारण और भजन-गायन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. सीमा रानी और डॉ. नीलम ने महात्मा आनंद स्वामी के जीवन एवं आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, त्याग, सेवा, अनुशासन और मानव कल्याण की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्राओं से उनके आदर्शों को अपनाने और समाज व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। वैदिक संध्या और यज्ञ के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। अंत में प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में आर्य युवती परिषद की संयोजिका डॉ. सुनीता, सह-संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा, डॉ. अनुराधा नागिया, छात्रावास वार्डन ज्योति शर्मा तथा परिषद की सदस्याओं और गैर-शिक्षक वर्ग ने सहयोग दिया।

शहरों के विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं पर हुई चर्चा

- केंद्रीय मंत्री तोखन साहू से मिलीं महापौर रेणु बाला गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल



महापौर रेणु बाला गुप्ता ने शनिवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन-2026 एवं अर्बन कॉन्क्लेव के दौरान केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तथा छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से सांसद तोखन साहू से मुलाकात की।

इस दौरान शहरी विकास, नगरीय निकायों को सशक्त बनाने और शहरों को स्वच्छ, सुंदर एवं आधुनिक बनाने से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। भाजपा के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि शहरों का समग्र विकास केवल बुनियादी ढांचे के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता, बेहतर नागरिक सुविधाओं, सुव्यवस्थित सार्वजनिक व्यवस्थाओं और लोगों के जीवन स्तर में सुधार पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय नागरिकों और शासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इन्हें पर्याप्त संसाधन और प्रभावी कार्यप्रणाली उपलब्ध कराने से विकास कार्यों को गति मिल सकती है। केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने शहरी विकास के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों तथा नगरीय निकायों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और स्थानीय निकायों की सक्रिय भागीदारी शहरों को स्वच्छ, व्यवस्थित और आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण है।

पुलिस ने साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के तहत लोगों को किया सतर्क

करनाल। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से तैयार की गई नकली आवाज और वीडियो का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को निशाना बना रहे हैं। करनाल पुलिस ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के तहत लोगों को डीपफेक धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है।

पुलिस अधीक्षक करन गोयल, आईपीएस के निर्देशानुसार पुलिस ने बताया कि ठग किसी परिचित, रिश्तेदार, पुलिस अधिकारी या कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी की आवाज और चेहरा नकल कर पैसों की मांग कर सकते हैं। आपात स्थिति का बहाना बनाकर या वीडियो कॉल के माध्यम से भरोसा जीतकर लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा सकता है। परिचित की आवाज में पैसे मांगने पर उसके पहले से उपलब्ध नंबर पर कॉल कर पुष्टि करें। वीडियो कॉल पर दिखाई देने वाले व्यक्ति की पहचान स्वतंत्र रूप से सत्यापित करें।

भगवान वाल्मीकि के आदर्श अपनाकर समरस समाज का निर्माण करें : ऋषभ

सेक्टर-9 स्थित वाल्मीकि भवन में प्रकट दिवस पर अर्पित किए श्रद्धासुमन, सामाजिक एकता और भाईचारे का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल



सेक्टर-9 स्थित वाल्मीकि भवन में शनिवार को भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महापौर रेणु बाला गुप्ता के सुपुत्र एवं युवा समाजसेवी ऋषभ गुप्ता ने भगवान वाल्मीकि को नमन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उपस्थित लोगों को प्रकट दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर पार्षद जोगिंदर शर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। ऋषभ गुप्ता ने कहा कि भगवान वाल्मीकि का जीवन सत्य, ज्ञान, सदाचार, समानता और मानवता की सेवा का संदेश देता है।

उनकी शिक्षाएं समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों की अमूल्य धरोहर है, जिसकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में अपनाकर ही समाज को सशक्त और संस्कारवान बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए सामाजिक एकता और परस्पर सम्मान बनाए रखने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि महापौर रेणु बाला गुप्ता के करनाल से बाहर होने के कारण ऋषभ गुप्ता ने कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह में प्रधान अमित, आदित्य सारसर तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंगा आश्रम का माहौल

- सीताराम आश्रम ट्रस्ट में श्रीराम चरित मानस का अखंड पाठ शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

नगरखेड़ा सीताराम आश्रम ट्रस्ट तरावड़ी में शनिवार को धार्मिक श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ शुरू किया गया। विधिवत ज्योति प्रज्वलित कर प्रभु श्रीराम का स्मरण किया गया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति तथा खुशहाली की कामना की गई। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। रविवार सुबह पाठ की पूर्णाहुति होगी, जबकि दोपहर को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान अनिल गुप्ता की ओर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को धर्म, संस्कारों और प्रभु श्रीराम के आदर्शों से जोडऩा है। नगरखेड़ा तरावड़ी की धार्मिक पहचान और लोगों की अटूट आस्था का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। नगरखेड़ा के प्रति लोगों की श्रद्धा पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं में दिखाई देती है। यहां होने वाले धार्मिक आयोजनों में लोग पूरे विश्वास और समर्पण के साथ भाग लेते हैं। ऐसे आयोजन समाज को आपसी भाईचारे, सेवा और सद्भाव का संदेश देते हैं। श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है।

डिप्टी डायरेक्टर ने धान में नमी की मात्रा जांची

- मंडी में धान खरीद प्रक्रिया व व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी



तरावड़ी। अनाजमंडी का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते फूड सप्लाई विभाग के डिप्टी डायरेक्टर निशांत राठी।

चंडीगढ़ से पहुंचे फूड सप्लाई विभाग के डिप्टी डायरेक्टर निशांत राठी ने शनिवार को तरावड़ी की अनाज मंडी का दौरा कर धान खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में पहुंच रही धान की फसल में नमी की मात्रा की जांच की और खरीद प्रक्रिया से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उनके दौरे को धान खरीद कार्यों की निगरानी तथा फसल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

डिप्टी डायरेक्टर निशांत राठी ने धान की गुणवत्ता और उसमें मौजूद नमी की मात्रा का जायजा लिया। धान की खरीद में नमी का स्तर एक महत्वपूर्ण मानक होता है, जिसके आधार पर फसल की गुणवत्ता का आंकलन किया जाता है। ऐसे में मंडी में पहुंचने वाली धान की फसल की जांच करना खरीद प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले इस प्रकार के निरीक्षण से मंडी में खरीद कार्यों की स्थिति का आकलन करने और निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। धान खरीद का सीजन किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए महत्वपूर्ण होता है। किसान अपनी मेहनत से तैयार की गई फसल को लेकर मंडियों में पहुंचते हैं।

न्यूज डायरी

ईशा वर्मा का सहायक जिला न्यायवादी (एडीए) के पद पर हुआ चयन, परिवार में खुशी की लहर



इंद्री। एडीए के पद पर चयनित ईशा वर्मा अपने परिजनों के साथ ।

इंद्री। इंद्री न्यायालय में कार्यरत अभिषेक वर्मा की पुत्री ईशा वर्मा का सहायक जिला न्यायवादी (एडीए) के पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, संबंधियों और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ईशा ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता प्राप्त कर परिवार का नाम रोशन किया है। ईशा वर्मा ने वर्ष 2020 में प्रताप पब्लिक स्कूल, सेक्टर-6, करनाल से बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की। वर्ष 2025 में पंजाब विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (ऑनर्स) की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में वह पंजाब विश्वविद्यालय से ही विधि परास्नातक (एलएलएम) की पढ़ाई कर रही हैं। उनके भाई ऋषभ वर्मा गुरुग्राम में चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे हैं। ईशा के दादा स्वर्गीय जयपाल वर्मा एक किसान थे। ईशा वर्मा की माता गृहणी है जबकि पिता इंद्री न्यायालय में कार्यरत हैं। ईशा वर्मा की सफलता पर दादी तारा देवी वर्मा, बुआ सुषमा वर्मा, फूफा डॉ अशोक कुमार वर्मा सहित परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ईशा वर्मा की इस सफलता पर हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि ईशा की उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और शिक्षा, खेल, चिकित्सा और समाज सेवा में आगे बढ़ने का आह्वान किया ।

वाद-विवाद में मान्या ने हासिल किया प्रथम स्थान



करनाल। दयाल सिंह कॉलोनी स्थित दयाल सिंह पब्लिक स्कूल में अंतर-विद्यालयीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 21 प्रतिष्ठित विद्यालयों के 42 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी वक्तृत्व कला, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, प्रभावी संवाद और तार्किक ढंग से अपने विचार रखने की क्षमता विकसित करना था। प्रतिभागियों ने विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विरोधी पक्ष की दलीलों का तर्कपूर्ण जवाब दिया। निर्णायक मंडल में पम्पा सेन गुप्ता, डॉ. चंद्रकांता और डॉ. नीना अरोरा शामिल रहीं। उन्होंने विषयवस्तु, स्पष्टता, तर्कशक्ति, आत्मविश्वास और प्रस्तुति के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया।

सेवा भारती 27 से 29 अक्टूबर तक 11 स्थानों पर लगाएगी स्टॉल

करवा चौथ पर शहर में लगेंगे मेहंदी स्टॉल

- 100 बेटियों को प्रशिक्षण देकर हुनर निखारने का किया प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

करवा चौथ के अवसर पर सेवा भारती हरियाणा प्रदेश की ओर से 27, 28 और 29 अक्टूबर को शहर में मेहंदी स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर प्रशिक्षित बेटियां महिलाओं के हाथों पर मेहंदी लगाएंगी। संस्था का उद्देश्य पारंपरिक मेहंदी कला को बढ़ावा देने के साथ बेटियों को हुनर के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है।

सेवा भारती के प्रांत उपाध्यक्ष रोशन लाल ने बताया कि यह प्रकल्प पिछले छह वर्षों से चलाया जा रहा है। इसके तहत करीब 100 बेटियों को प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे अपनी कला को निखारकर स्वावलंबी बन सकें।



करनाल। सेवा भारती की ओर से करवा चौथ पर्व की स्टाल लगाने संबंध जानकारी देते हुए संस्था के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

जिलाध्यक्ष विपिन अरोड़ा ने कहा कि इस पहल से महिलाओं को मेहंदी लगवाने की सुविधा मिलेगी और सेवा तथा सहयोग की भावना को भी बढ़ावा मिलेगा।

इन स्थानों पर लगेंगे स्टॉल : संस्था की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, स्टॉल सेक्टर-6 स्थित शिव मंदिर और पीएनबी एटीएम के पास, सेक्टर-7 में भारत माता मार्केट के सामने, सेक्टर-8 मार्केट, नरसी विलेज के तिरंगा चौक, सेक्टर-32 में टू ब्लू प्रॉपर्टी के पास, सेक्टर-13 में राम वाटिका पार्क व डॉ. गुप्ता काला मार्केट के पास, सनातन धर्म मंदिर के सामने, दुपहरा मार्केट में फ्लाईओवर के नीचे तथा मॉडल टाउन स्थित सत्य सेवा सदन में लगाए जाएंगे।

महिलाओं से इस पहल का लाभ उठाने की अपील की

सेवा भारती के प्रांत सह कोषाध्यक्ष सुरेंद्र गोयल ने बताया कि इस प्रकल्प के माध्यम से बेटियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। संस्था ने शहर की महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पहल का लाभ उठाने की अपील की है।

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका



करनाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपिंद्र लाठर भुप्पी के नेतृत्व में घरौंडा ब्लॉक ग्रामीण अध्यक्ष बलराम रावल की ओर से अग्रवाल भवन में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कैथल के विधायक आदित्य सुरजेवाला का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इसके बाद कार्यकर्ता जीटी रोड पर पहुंचे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। इस अवसर पर राजपाल पाल, गुरविंदर राणा, करमबीर स्टोंडी, सर्वजीत संधू, कंवरपाल पन्नू, अश्वनी चौधरी, दिलावर गोयत, संजीव गोस्वामी, वीरेंद्र खटखड़, राजकुमार शर्मा, सतिंदर स्यान, आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

खटीक गर्जना सम्मेलन की तैयारियां पूरी

पानीपत। संत शिरोमणि श्री दुर्बलनाथ जयंती के उपलक्ष्य में खटीक गर्जना सम्मेलन की तैयारियां पूरी कर ली गई है। वहीं, सम्मेलन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार और यूपी के मंत्री दिनेश खटीक, उज्जैन-आलोट सांसद व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल फिरोजिया सम्मेलन में भाग लेंगे। वही, सम्मेलन स्थल पर खटीक समाज के नेता सिप्पी महेन्द्रा, राजेश भिवाल, डॉ. रामनाथ मोंगा ने बताया कि सम्मेलन में देशभर से खटीक समाज के गणमान्य नगारिक भाग लेने के लिए पानीपत आ रहे हे।

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा का अभिनंदन आज

पानीपत। भगवान परशुराम भवन समिति की ओर से 25 अक्टूबर को भगवान परशुराम धर्मशाला पानीपत में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए समिति के प्रधान रामफल ने बताया कि कार्यक्रम में जिला परिषद की चेयरपर्सन ज्योति शर्मा, पार्षद अनु अजय शर्मा, मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन बलवान शर्मा भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

दो दिवसीय शिल्पधारा कार्निवल 26 को

पानीपत। एसडी इंटरनेशनल स्कूल हुडा सेक्टर छह में 26 और 27 अक्टूबर को दो दिवसीय कार्निवल शिल्पधारा का आयोजन होगा। इसमें विभिन्न राज्यों की विशिष्ट शिल्प कलाओं और सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया जाएगा। विद्यालय की ओर से आयोजित इस कार्निवल में मनोरंजन, रोमांच और विभिन्न आकर्षक गतिविधियां होंगी।

भाजपा सरकार प्रदेश में हर मोर्चे पर फेलः राम

पानीपत। जननायक जनता पार्टी के जिला प्रधान राम निवास पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार प्रदेश में हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। प्रदेश में बिजली व पानी का संकट है, जबकि अपराध, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार का ग्राफ बढने से जनता परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता की सेवा करने में पूरी तरह से विफल हो चुकी है।

महर्षि की याद में शोभायात्रा आज

पानीपत। वाल्मीकि अमरपुरी जाटल रोड की ओर से भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में 25 अक्टूबर को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में भगवान वाल्मीकि जी की झांकियों के साथ श्रद्धालु शामिल होंगे। समिति के प्रधान सुरेश प्रकाश चौहान ने बताया कि 26 अक्टूबर को अटूट भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों से शोभायात्रा में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की।

साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूक किया

पानीपत। आर्य बाल भारती विद्यालय में आयोजित साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम में वंशिका व लक्ष्य ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रकार और उनसे बचाव की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अशोक आर्य, एनएसएस प्रभारी प्रवीण आर्य, उपप्राचार्य जगदीश आर्य, उपप्रधान ओमदत्त आर्य, समन्वयक आशा अरोड़ा, रेनु जागलान, गीता रंजन, ज्योति आदि उपस्थित रहे।

मारपीट मामले में पांच नामजद

पानीपत। पानीपत के कृष्णपुरा की पीपल वाली गली में पुरानी रंजिश के चलते महिला स्वीटी व इसके सुसर के साथ पडोसियों ने मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। इधर, स्वीटी की शिकायत पर औद्योगिक हुडा सेक्टर-29 थाना पुलिस ने हमला करने के आरोपी अजय, निशु, राहुल, सुनीता और प्रशांत समेत अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, जांचाधिकारी एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि स्वीटी की शिकायत की जांच शुरू कर दी गई है।

ब्रह्मज्ञान जागृति का अंतिम पड़ाव नहीं, जीवन की शुरुआत

सच्चे भाव से युक्त हो सेवा और समर्पण : मां सुदीक्षा

सभी से प्रेम व अच्छा आचरण करना ही सच्ची आध्यात्मिक जागृति है

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा



समालखा। निरंकारी सतगुरु मां सुदीक्षा।

जब हृदय में प्रेमाभक्ति का प्रकाश जागृत होता है, तब जीवन का प्रत्येक भाव प्रेम, समर्पण व मानव एकत्व की दिव्य अनुभूति से महक उठता है। इसी आध्यात्मिक चेतना एवं प्रेमपूर्ण संदेश से ओतप्रोत निरंकारी सतगुरु मां सुदीक्षा ने आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित चार दिवसीय 79वें वार्षिक निरंकारी सन्त समागम में देश-विदेश से सम्मिलित हुए लाखों श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए प्रेम, भक्ति व मानवीय एकत्व की महत्ता को उजागर किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मज्ञान जागृति का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि इसकी शुरुआत है। सच्ची जागृति वही है, जब मनुष्य जीवन के प्रत्येक पल में निराकार के एहसास के साथ प्रेम, विश्वास व विनम्रता से जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि सत्संग में केवल उपस्थित होना पर्याप्त नहीं, बल्कि वहां से प्राप्त शिक्षाओं को अपने व्यवहार में अपनाना आवश्यक है। हमारी सेवा और समर्पण दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सच्चे भावों से युक्त होना चाहिए। दूसरों के प्रति प्रेम रखना, निंदा व अहंकार से बचना तथा अपनी वाणी और कर्मों से अच्छाई दर्शाना ही वास्तविक आध्यात्मिक जागृति की पहचान है। उन्होंने प्रेरित किया कि परमात्मा द्वारा प्रदत्त साधनों का उपयोग मानवता की सेवा एवं परोपकार के लिए किया जाए। जीवन की हर परिस्थिति में मन की शांति, सहजता व विश्वास बनाए रखें। वहीं, समागम में भव्य सेवादल रैली हुई।

विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर नशा न करने की शपथ दिलाई

आर्य स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली नशा मुक्त रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत



पानीपत। आर्य स्कूल के विद्यार्थी, नशा विरोधी जागरूकता रैली निकालते हुए।

आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नशा मुक्त भारत-नशा मुक्त युवा, विकसित भारत अभियान के तहत खेलकूद और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर प्रवीण वर्मा ने किया। सुबह रेडक्रॉस से सोनिया ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर नशा न करने की शपथ दिलाई। इसके बाद पारंपरिक खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने और मोबाइल से दूरी बनाकर रखने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने बैनर लेकर रैली निकाली और नशामुक्त समाज का संदेश दिया। प्रिंसिपल मनीष घनघस ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पीटीआई प्रशांत ने पारंपरिक खेलों के माध्यम से बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

एसडी के खिलाड़ी एडीसीसी इंडिया में प्रथम



पानीपत। एसडी विद्या मंदिर हुडा के खिलाड़ी वासु बराड़ ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एडीसीसी इंडिया ओपन 2026 सबमिशन फाइटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। गत 17 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी अटलांटिक क्लब इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित प्रतियोगिता में वासु ने बॉयज बिगिनर 80 किलोग्राम भार वर्ग में जीत दर्ज की। वासु की उपलब्धि पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ.अनु गुप्ता ने वासु को बधाई व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए कहा कि वासु की सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। वहीं, स्कूल प्रशासन वासु को खेल निखारने के लिए हर संभव सहयोग देगा।

रामराज्य की नींव है महाकाव्य रामायण

■ बिचपड़ी में भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत



पानीपत। भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव में में मंत्री महिपाल ढांडा व मेयर कोमल का अभिनंदन करते हुए आयोजक। फोटोः हरिभूमि

सृष्टि के रचनाकार भगवान वाल्मीकि ने महाकाव्य रामायण के रूप में विश्व का ऐसा महान काव्य रचा है कि केवल मात्र भारत नहीं विश्व के विभिन्न कोनों में श्री रामलीला के रूप में मनमोहक मंचन के रूप में रामायण को पढ़ा ही नहीं जाता है, बल्कि उसे जिया जाता है। रामायण समाज व परिवारों को जोड़ने की वह कला है यदि हम रामायण के पात्रों को अपने जीवन में जीना सीख लें तो एक आदर्श समाज का निर्माण संभव हो सकता है, यह उद्गार हरियाणा प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने गांव बिचपड़ी में श्री वाल्मीकि महासभा के बैनर में आयोजित भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव में कही। वहीं, मंत्री ढांडा ने विश्वास दिलाया कि मेयर कोमल सैनी के सहयोग से गांव बिचपड़ी में वाल्मीकि भवन का निर्माण भी किया जाएगा। इधर, मेयर कोमल सैनी ने भगवान वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे, जनता की निष्काम सेवा करती रहेगी। इस अवसर पर सुमेर सिंह, मुकेश बोस, प्राण रत्नाकर, जगदीश गिल, विनोद चंदेल, धीरज उग्राखेड़ी, जसबीर गिल, सुरेन्द्र परूथी, राकेश शर्मा, साहब सिंह रंगा, सन्नी राजीव रिडलान, शम्मी गिल, सुरेश गुम्बर, गुलशन आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं

आर्य कॉलेज में करियर एडवांसमेंट इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रीय सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत



पानीपत। आर्य कॉलेज में प्रो. संजीव अरोड़ा का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता आदि। फोटोः हरिभूमि

आर्य पीजी कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में शनिवार को 'करियर एडवांसमेंट इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार हुआ। जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग से प्रोफेसर संजीव अरोड़ा मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. जगदीश गुप्ता ने मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। वहीं, मुख्य वक्ता प्रो. संजीव अरोड़ा ने कहा कि विद्यार्थी मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन के माध्यम से अपने करियर में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित और जैव विज्ञान जैसे विषयों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने कहा कि आर्य कॉलेज के विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करते हैं और अपनी उपलब्धियों से देश का नाम रोशन करते हैं। वहीं, रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. सुषमा, आरती शर्मा, अभिषेक आदि उपस्थित रहे।

पुलिस थानों में पौधे रोप कर शहीदों को नमन किया



पानीतप। पुलिस शहीदी दिवस व राष्ट्रीय एकता दिवस पर शहीद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की याद में पानीपत जिला के सभी पुलिस थानों में पौधे रोपे गए। वहीं, पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने पुलिस थानों में खाली स्थानों पर पौधे रोपे और शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इधर, शहीदों की याद में डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों की फुटबॉल व गांव जलमाना के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में वॉलीबॉल प्रतियोगिता करवाई गई। वहीं, प्रतियोगिताओं के शुभारंभ अवसर पर शहीद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को नमन किया गया।

मिनी बाल भवन व डिजिटल लाइब्रेरी बनाना मेरा सपनाः मीना कंबोज

सोशल मीडिया से दूर रह कर मेहनत से शिक्षित होकर आगे बढ़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत



पानीपत। बाल उत्सव के समापन समारोह का शुभारंभ करते हुए हरियाणा बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव मीना कंबोज। फोटोः हरिभूमि

बाल भवन में आयोजित जिला स्तरीय बाल महोत्सव के समापन समारोह में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव मीना कंबोज ने मुख्यातिथि के रूप में कहा कि बाल महोत्सव बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच है। उन्होंने महोत्सव में भाग लेने वाले बच्चों की सरहाना करते उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। दूसरी ओर, प्रेस वार्ता में मीना कंबोज ने कहा कि उनका सपना है कि गांवों में भी मिनी बाल भवन खोले जाएं, वहीं, भविष्य में डिजिटल लाइब्रेरी खोलने की योजना को भी अपना सपना बताया। ताकि बच्चों को आसानी से मंच मिल सके और वे लाइब्रेरी में बेहतर तरीके से पढ़ सकें। मीना कंबोज ने बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रहते हुए अनुशासन में रहते हुए मेहनत से पढ़ते हुए आगे बढ़ने की सलाह दी। मीना ने जिला बाल कल्याण अधिकारी ऋतु राठी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रितु पानीपत में सरहानीय कार्य कर रही है। वहीं, ऋतु राठी ने कहा कि बाल महोत्सव में बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समाज की तरक्की में बाधा हैं कुरीतियांः कृष्ण



पानीपत। अमृतकाल जागरूकता अभियान में शिकरत करते हुए मंत्री कृष्ण लाल पंवार, जादूगर शंकर सम्राट, दीपक पाराशर। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। जादू के हैरतअंगेज करतबों के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने और जनहित के महत्वपूर्ण संदेश आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार एवं सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से अमृतकाल जागरूकता अभियान के तहत स्थानीय देशबंधु गुप्ता राजकीय कॉलेज में जादू शो आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को प्रदेश के विकास, पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्णलाल पंवार ने दीप प्रज्वलित कर जादू शो का शुभारंभ किया। इस दौरान जादूगर शंकर सम्राट ने अपनी कला और अनूठी प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया। वहीं, मंत्री पंवार जादूगर शंकर सम्राट की कला की सराहना करते हुए कहा कि जादू केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि इसके जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश भी प्रभावी ढंग से दिया जा सकता है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों, युवाओं और आमजन को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने तथा उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, जादूगर शंकर सम्राट ने अपने शो में दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी के खिलाफ समाज को जागरूकता संदेश दिया। इस अवसर पर डीडीपीओ राजेश शर्मा, प्राचार्या प्रो. सुभाष जागलान, एआईपीआरओ दीपक पाराशर आदि उपस्थित रहे।

डॉ. मलिक के दीर्घकालीन शैक्षणिक योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की

आईबी कॉलेज की उपप्राचार्या डॉ. शशि को भावभीनी विदाई दी

डॉ. शशि प्रभा मलिक का व्यक्तित्व कुशल नेतृत्व, अनुशासन, कर्मठता और आत्मीयता का अद्भुत संगम है

■ शैक्षणिक योगदान, उपलब्धियों एवं सेवाओं को रेखांकित करते हुए उनके सम्मान में अभिनंदन-पत्र प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत



पानीपत। आईबी कॉलेज की उपप्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक को सेवानिवृत्ति पर उपहार भेंट करते प्राचार्या आदि।

आईबी पीजी कॉलेज की उपप्राचार्या एवं हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. शशि प्रभा मलिक के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में कॉलेज प्रबंधन समिति के सदस्य एलएन मिगलानी, युधिष्ठिर मिगलानी, परमवीर ढिंगडा, रवि गोसाईं, राजेश नागपाल, प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह, प्राध्यापकगण एवं गैर-शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. शशि प्रभा मलिक के दीर्घकालीन शैक्षणिक योगदान, समर्पित सेवाओं तथा महाविद्यालय के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह ने कहा कि डॉ. शशि प्रभा मलिक का व्यक्तित्व कुशल नेतृत्व, अनुशासन, कर्मठता और आत्मीयता का अद्भुत संगम है। उपप्राचार्या एवं हिंदी विभागाध्यक्षा के रूप में उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया। इधर, डॉ. किरण मदान, डॉ. निर्मला व सुनीता ढांडा ने डॉ. शशि प्रभा मलिक के शैक्षणिक योगदान, उपलब्धियों एवं सेवाओं को रेखांकित करते हुए उनके सम्मान में अभिनंदन-पत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. सुनीत शर्मा, डॉ.पूनम, डॉ. सीमा, डॉ. निधान, डॉ. प्रवीण, डॉ. शर्मिला, ले. राजेश, डॉ.नरवीर, प्रो.अजय पाल, प्रो. खुशबू, डॉ. अंजलि, डॉ. स्वाति, डॉ. संगीता सहित कॉलेज के शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में लोगों ने लिया लाभ

कुरुक्षेत्र। नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से शनिवार को ओपी जिन्दल पार्क में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में 278 लोगों ने स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित मोबाइल मेडिकल वैन के साथ पहुंची डॉक्टरों की टीम ने लोगों की जांच की और जरूरत के अनुसार मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां वितरित की। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ बीपी, ब्लड शुगर और अन्य जरूरी जांचों पर विशेष ध्यान दिया गया। 53 मरीजों के यूरिन टेस्ट भी किए गए। डॉक्टरों ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए समय पर जांच कराने और नियमित दिनचर्या अपनाने की सलाह दी।

मंडियों में 1.60 लाख एमटी धान आई

पानीपत। उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में 23 अक्टूबर तक कुल 159005 मीट्रिक टन धान की आवक हुई। इसमें से 13675.0 मीट्रिक टन धान पी.आर. तथा 1509 किस्म की 142889.0 मीट्रिक टन धान, सरबती 32 मीट्रिक टन, बासमती/1121 धान 2181 मीट्रिक टन व मुच्छल 227.8 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है।

एनपीसी हरियाणा बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा आज

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में रविवार 25 अक्टूबर को एनपीसी हरियाणा द्वारा बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। मल्टीआर्ट कल्चरर सेंटर परिसर में दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाली प्रतियोगिताओं में खेल मंत्री गौरव गौतम तथा पूर्व मंत्री सुभाष सुधा शामिल होंगे। एनपीसी हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष नरेंद्र चौहान राजू ने बताया कि एनपीसी हरियाणा के चेयरमैन महावीर मढ़ान, जिलाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा निंदी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष साहिल सुधा के मार्गदर्शन में आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में देशभर से लगभग 250 प्रतिभागी भाग लेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मार्किट कमेटी थानेसर के चेयरमैन सुरेश सैनी कुक्कू, जिला परिषद के वाइस चेयरमैन धर्मपाल चौधरी डीपी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजीव सीकरी, एस.डी. स्कूल के चेयरमैन विकास शर्मा शामिल होंगे।

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार पानीपत

विजय कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री शिव दयाल निवासी मकान नम्बर 5577, ब्लाक डी-1, अंसल सुशांत सिटी पानीपत।
बनाम जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है विजय कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री शिव दयाल निवासी मकान नम्बर 5577, ब्लाक डी-1, अंसल सुशांत सिटी पानीपत ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतु इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमे स्पष्ट रूप से बताया गया है कि प्रार्थी की पत्नी श्रीमति आशा रानी धर्मपत्नी श्री विजय कुमार निवासी मकान नम्बर 5577, ब्लाक डी-1, अंसल सुशांत सिटी पानीपत की दिनांक 18.04.2014 को मृत्यु हो चुकी है। उनकी मृत्यु उपरान्त उनके निम्न वारिस/उतराधिकारी दर्शाये गये है।

1. सुश्री अदिति अरोडा पुत्री, व 2. सुश्री स्मृति नागपाल पुत्री, व 3. निहित अरोडा पुत्र श्री विजय कुमार यानि कुल 3 ही वारिस है।

इनके ईलावा मृतक श्रीमति आशा रानी धर्मपत्नी श्री विजय कुमार का अन्य कोई वारिस/उतराधिकारी नहीं है। जिसके सम्बंध में प्रार्थी ने शपथपत्र भी प्रस्तुत किया है। इसलिए हर आम व खास को इस इश्तेहार/नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है। कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस/उतराधिकारी के बाबत कोई शक एवम इतराज हो तो वह स्वयं/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 30 दिन के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय में कार्य दिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है, अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जावेगा।

यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 22.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार-कम-संयुक्त सब रजिस्ट्रार, पानीपत

खबर संक्षेप

वाल्मीकि प्रकाशोत्सव पर निकाली प्रभात फेरी



मुलाना। गांव डुलियाना में भगवान वाल्मीकि के प्रकाशोत्सव के पावन अवसर पर 10 दिवसीय प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है। प्रभात फेरी के दौरान भगवान वाल्मीकि के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने सुबह की पहली किरण के साथ प्रभु का स्मरण किया और श्रद्धा एवं भक्ति भाव से इस धार्मिक आयोजन में भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान वाल्मीकि की महिमा का गुणगान किया तथा उनके जीवन और शिक्षाओं को याद किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन का उद्देश्य भगवान वाल्मीकि की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ समाज में प्रेम, एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी गौरवशाली परंपराओं को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर संरक्षक संतोष फौजी सहित गुरमीत, रोहित, संजीव, हेमंत, विशाल, लक्की, गर्व, सुमित, लोकित, अरुण, विराट, ध्रुव, मनीषा, कल्पना सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

कॉलोनी में जांच कर रही पुलिस, चिट्टा तस्करी में भी हो चुकी है कार्रवाई

डेहा कॉलोनी में सर्च अभियान 52 दोपहिया वाहन किए इंपाउंड

डेहा कॉलोनी में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर नजर रखने के लिए पुलिस लगातार कर रही पैदल गश्त : इंचार्ज एएसआई जयपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला



अंबाला। डेहा कॉलोनी से जब्त वाहन। फोटो : हरिभूमि

अंबाला शहर की डेहा कॉलोनी में नशा तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पिछले एक माह में पुलिस चौकी नंबर-4 की टीम ने कार्रवाई करते हुए 52 दोपहिया वाहन इंपाउंड किए हैं। इनमें करीब 50% वाहन बिना नंबर प्लेट के मिले, जबकि 40% पर पंजाब के नंबर दर्ज थे। पुलिस के सत्यापन में अब तक 4 वाहन चोरी के पाए गए हैं। बाकी वाहनों की भी जांच की जा रही है। पुलिस चौकी नंबर-4 के इंचार्ज एएसआई जयपाल के अनुसार, डेहा कॉलोनी में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर नजर रखने के लिए लगातार पैदल गश्त की जा रही है। जिन वाहनों पर नंबर प्लेट नहीं होती या जो संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते मिलते हैं, उनकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। कई वाहनों के साइलेंसर भी गायब मिले हैं। इसी कार्रवाई के दौरान एक बाइक का 21 हजार रुपए का चालान भी किया गया है। डेहा कॉलोनी को नशा तस्करी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। पुलिस के अनुसार, यहां नशा तस्करी के मामलों में शामिल आरोपियों के खिलाफ पहले भी कार्रवाई की जा चुकी है। नशे से अर्जित अवैध संपत्तियों पर शिकंजा कसते हुए हाल ही में करीब 12 मकानों को सील करने की कार्रवाई भी की गई थी।

इस साल चिट्टा तस्करी में 250 से ज्यादा पकड़े

एसपी अजीत सिंह शेखावत के निर्देश पर जिले में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, जनवरी से अब तक चिट्टा तस्करी के मामलों में 250 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस का फोकस नशे की सप्लाई चेन तोड़ने और तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर है। चौकी इंचार्ज जयपाल ने कहा कि डेहा कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में गश्त व निगरानी बढ़ाई जाएगी। पुलिस ने लोगों से नशा तस्करी या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना हेल्पलाइन नंबर 9729990112 पर देने की अपील की है।

कई महीने से पानी की पाइपलाइन लीक गंदे पानी से बीमारी फैलने का खतरा

- ऑनलाइन शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, स्कूली छात्र बेहद परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना



मुलाना। पाइपलाइन लीकेज के कारण गली में खड़ा पानी। फोटो : हरिभूमि

कस्बा के कन्या प्राथमिक पाठशाला के गेट के बिल्कुल पास में पिछले कई महीनों से पीने के पानी की पाइपलाइन लीक होने के कारण छात्रों व स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाइपलाइन से लगातार पानी का रिसाव होने के चलते एक ओर जहां गली से गुजरने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है वहीं दूसरी ओर दूषित पानी की आपूर्ति होने की आशंका से लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। यहां गहरा गड्ढा होने से अब हादसे की आशंका बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि पानी की पाइपलाइन में लीकेज की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों को आशंका है कि पाइपलाइन में लीकेज के कारण गंदा पानी पेयजल आपूर्ति में मिल सकता है। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो इससे जलजनित बीमारियां फैलने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां के रहने वाले राजेश कुमार ने बताया कि इस समस्या को लेकर उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग में ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करवाई है। कई दिन बीत जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पीने के पानी से जुड़ी समस्या को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा संबंध लोगों के स्वास्थ्य से है। पाइपलाइन की लीकेज को जल्द ठीक करना और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। यहां के करण,बन्नी, शामलाल, राजेश, मुकेश, दीपक ने जन स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर पाइपलाइन की लीकेज को जल्द ठीक करवाया जाए। जेई कुलदीप सिंह ने कहा कि इस समस्या का सोमवार को समाधान कर दिया जाएगा

रघुवीर पीजी कॉलेज में शोध पद्धति पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला



अंबाला। अंबाला छावनी के रघुवीर गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग ने शोध पद्धति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स और एम.ए. अंग्रेजी के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य उन्हें अकादमिक शोध के मूलभूत सिद्धांतों, विधियों और प्रथाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचकुला के सेक्टर 1 स्थित सरकारी पीजी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर गुरप्रीत कौर के हार्दिक स्वागत के साथ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों में शोध क्षमता विकसित करना और उन्हें अंग्रेजी साहित्य और संबंधित क्षेत्रों में व्यवस्थित एवं विद्वतापूर्ण शोध करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना था। वर्कशॉप में विशेषज्ञ ने शोध पद्धति की अवधारणा और महत्व, शोध समस्याओं की पहचान और निरूपण, शोध विषयों के चयन और स्पष्ट शोध प्रश्न एवं उद्देश्य निर्धारित करने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने साहित्यिक शोध के विभिन्न दृष्टिकोणों पर भी बात की, जिनमें पाठ्य विश्लेषण, आलोचनात्मक व्याख्या और प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों का उपयोग शामिल है।

जोनल महोत्सव में हरियाणवी डांस से छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

अंबाला। शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य हैं। शिक्षा के साथ कला, साहित्य और संस्कृति का समन्वय युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। ढांडा अंबाला छावनी के गांधी मेमोरियल नेशनल (जीएमएन) कॉलेज में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में आयोजित 49वें जोनल युवा महोत्सव के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री का पहुचने पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मंत्री ने कॉलेज के विकास एवं गतिविधियों के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों और कॉलेजों को पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान कर सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना



विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. गुरदेव सिंह ने महोत्सव के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री महिपाल ढांडा का आभार जताया। प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने भी आयोजन की सफलता में योगदान देने के लिए कुवि के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग, निर्णायक मंडल, प्राध्यापकों, आयोजन समिति और प्रतिभागियों के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर राजिंदर विज, जीएमएन सोसायटी के प्रधान जसवंत जैन, महासचिव अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आलोक गुप्ता, सचिव डीएस माथुर, प्रेम सागर शर्मा, डॉ. सुभाष धमीजा भी मौजूद रहे।

शिविर में शिक्षकों को सिखाए आपात स्थिति से निपटने के गुर

बराड़ा। शैमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में सीबीएसई के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत शिक्षकों के लिए आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रिसोर्स पर्सन प्रोमिला सिंघल और आशीष गुप्ता ने शिक्षकों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से निपटने, बचाव के उपायों और आपातकालीन परिस्थितियों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से रिसोर्स पर्सन का स्वागत किया गया और उन्हें पौधे भेंट किए गए। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान भूकंप, आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों पर विशेष चर्चा की गई।





विद्यार्थियों ने अधोया के सरकारी स्कूल का किया शैक्षणिक भ्रमण

बराड़ा। स्कूल शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार ट्विनिंग प्रोग्राम के तहत पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उगाला के विद्यार्थियों ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अधोया का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रयोगशालाओं का अवलोकन कर तकनीक के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी हासिल की। साथ ही विभिन्न खेलकूद और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के दल का नेतृत्व पीजीटी फिजिक्स पूजा शर्मा और पीजीटी राजनीतिक विज्ञान संदीप खोखर ने किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अधोया स्कूल की अटल टिंकरिंग लैब, फिजिक्स लैब और ब्यूटी केयर लैब का अवलोकन किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरणों और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल और सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से खो-खो, मेहंदी और साइंस क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

ठेकेदार-मजदूरों की लड़ाई लड़ेगी यूनियन, टहल सिंह बने प्रधान

अंबाला। ठेकेदार व मजदूरों के हक की लड़ाई लड़ने के लिए विश्वकर्मा कंस्ट्रक्शन कांट्रेक्टर लेबर ट्रेड यूनियन का गठन किया गया है। यूनियन के गठन को लेकर तमाम ठेकेदारों की अहम मीटिंग हुई। मीटिंग की अध्यक्षता अजय चावला ने की। विचार विमर्श करने के बाद सहमति से टहल सिंह को यूनियन का प्रधान बनाया गया जबकि जसपाल सिंह बावा को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। सोहन लाल धीमान को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है जबकि त्रिलोचन सिंह यूनियन के उपप्रधान होंगे। यूनियन में चेयरमैन की भूमिका विधि चंद धीमान, निशान सिंह व विनोद कुमार को दी गई है। ओमप्रकाश धीमान को ज्यूरी सदस्य नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी में कुलदीप सिंह बॉबी को उपप्रधान जबकि विजय कुमार, सुशील धीमान, मनीष, विशाल व डिंपल को यूनियन में कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है। प्रधान की जिम्मेदारी मिलने के बाद टहल सिंह ने सभी ठेकेदारों को भरोसा दिलाया कि वे यूनियन की मजबूती के साथ ठेकेदार व मजदूरों के हक की आवाज बुलंद करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि मौजूदा दौर में ठेकेदार व मजदूर कई तरह की दिक्कतों से जूझ रहे हैं। ऐसे में उनकी दिक्कतों के समाधान के लिए बेहतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के जरिए ठेकेदार व मजदूरों की मांगों को राज्य व केंद्र सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ठेकेदार व मजदूर समाज के शिल्पकार हैं।



प्रो. स्टाइल कबड्डी में खिलाड़ियों ने किया फुर्ती और ताकत का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना



गुरु तेग बहादुर साहिब कबड्डी क्लब की ओर से चौधरी फूलचंद क्रीड़ा आंगन में प्रो कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता में कईं टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में प्रो स्टाइल कबड्डी के मुकाबले करवाए गए, जिनमें खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, ताकत और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मुकाबलों को देखने के लिए खेल प्रेमियों में भी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में समाजसेवी नरेंद्र सिंह बिल्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि सीआईए इंचार्ज सुरेंद्र मेहला विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। इस अवसर पर सीआईए इंचार्ज सुरेंद्र मेहला ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, मेहनत और टीम भावना भी विकसित करते हैं। ऐसे खेल आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। लड़कियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी समाज के लिए सकारात्मक संकेत है और इससे अन्य बेटियों को भी खेलों में आगे आने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर क्लब सदस्यों ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर आभार जताया।इस मौके पर पूर्व सरपंच नरेश चौहान भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

गांधी स्मारक पर लगाई प्रदर्शनी में डाक टिकट संग्रह की कला व बारीकियां पर जानकारियां दी



चंडीगढ़। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले स्टाम्प संग्राहक राकेश वालिया ने चंडीगढ़ के सेक्टर-16 स्थित गांधी स्मारक में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने डाक टिकट संग्रह करने की कला, इसकी बारीकियों और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि डाक टिकट केवल पत्र भेजने का माध्यम नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, महापुरुषों और देश की विरासत को संजोने का एक अनूठा साधन भी हैं। इसके साथ ही, सेक्टर-17 स्थित खादी भंडार, चंडीगढ़ में महात्मा गांधी जी पर आधारित डाक टिकटों की विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में गांधी जी के जीवन, विचारों और योगदान को दर्शाने वाले टिकटों के माध्यम से उनके आदर्शों को याद किया गया।इस पहल का उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं में डाक टिकट संग्रह के प्रति रुचि बढ़ाना तथा महात्मा गांधी के विचारों और विरासत को जन-जन तक पहुंचाना था।

कला व साहित्य मंच ने गोष्ठी में सजाए उत्सव के रंग, गीतों व नृत्य से भरी मिठास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पंचकूला



सीनियर सिटीजन काउंसिल सेक्टर 15 के सभागार में कला एवं साहित्य मंच द्वारा 'उत्सव' थीम पर आयोजित गोष्ठी में उल्लास, रंग और मिठास का अनोखा संगम देखने को मिला। इसमें 37 सदस्यों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस कार्यक्रम में विशेष तौर पर काउंसिल की मैनेजमेंट टीम को आमंत्रित किया गया तथा सदस्यों ने स्वयं हॉल की सुन्दर साज सज्जा की।काउंसिल उपप्रधान एस एल मित्तल, जनरल सेकेटरी अविनाश मेहता, सचिव एच सी गेरा व वित सचिव जयपाल गर्ग तथा कला साहित्य मंच की चेयरपर्सन डॉ. नीरू मित्तल नीर, सचिव आभा साहनी, कार्यकारिणी सदस्य सुनील मिनोचा और शशि चड्ढा ने माँ सरस्वती और गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया और पुष्पांजलि अर्पित की। सुनील मिनोचा ने श्रद्धापूर्वक सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। नीरू मित्तल ने मेहमानों का स्वागत करते हुए त्योहारों के महत्व और रिश्तों की मिठास के बारे में चर्चा की। शशि चड्ढा और आभा साहनी ने मंच संचालन का दायित्व बखूबी निभाया ।सुनील मिनोचा ने कविता- 'जिंदगी हँसने गाने के लिए है' गा कर खूब तालियाँ बटोरी। आभा साहनी के गीत 'मुंडा लंबड़ा दा' पर सभी खूब झूमे नाचे। शशि चड्ढा ने मोहक भजन 'श्याम चंदा है' सुनाकर भाव विभोर कर दिया।

एसके जैन स्कूल में पूर्व छात्र मिलन समारोह

अंबाला। एसए जैन मॉडल स्कूल में पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 1987, 1988, 1989 और 1990 के बैच के पूर्व छात्रों का स्वागत किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सुरेंद्र कुमार जैन उपस्थित थे। उनके साथ सुभाष जैन भी मौजूद रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि की भावपूर्ण गायन



प्रस्तुति, डॉ. शमा (1988 बैच) का प्रेरणादायक संबोधन, पूर्व छात्रों द्वारा दी गई संगीतमय प्रस्तुति और कई मनोरंजक खेल शामिल थे। प्रबंधक समिति के प्रधान रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, प्रबंधक रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन और प्रबंध समिति के सलाहकार रविकांत रहे।

दीपावली पर रात्रि 8 से 10 बजे तक चलेंगे पटाखे

अंबाला। जिलाधीश एवं उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि अदालत और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेशों की पालना पर जिले में 8 नवंबर 2026 से लेकर 31 जनवरी 2027 तक पटाखे बनाने, बेचने और चलाने पर प्रतिबंध रहेगा। इन आदेशों के अनुसार केवल ग्रीन पटाखों का प्रयोग दीपावली, क्रिसमस, नववर्ष, गुरू पर्व व अन्य त्यौहारों पर निर्धारित समय अवधि के लिए छूट प्रदान की जाएगी। इन आदेशों की अवहेलना करने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एक्सपलोसिव एक्ट 1884 व एक्सपलोसिव रूल 2008 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधीश ने जारी आदेशों में कहा है कि धारा 163, भारतीय नागरिक संहिता, दि एक्सप्लोसिव एक्ट-1884 व दि एक्सप्लोसिव नियमों को जहन में रखते हुए जिले में ग्रीन पटाखों को छोडक़र दूसरे पटाखे बनाने, बेचने, चलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

महारानी पद्मावती कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

100 मी रेस में बाजी मारकर शालिनी बनी बेस्ट एथलीट

खेल प्रतियोगिताएं छात्रों के सर्वांगिण विकास व नेतृत्व के गुणों को लाती है बाहर : डॉ.मीनाक्षी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

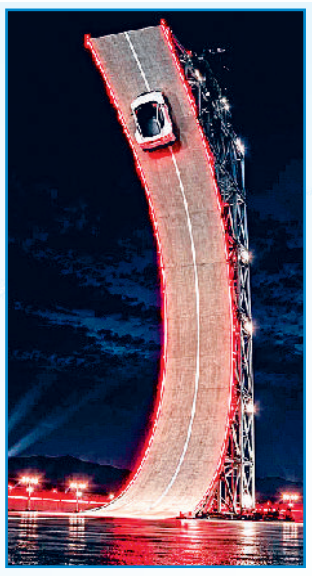


अंबाला। विजेता छात्रों को सम्मानित करते शिक्षक।

महारानी पद्मावती राजकीय महिला महाविद्यालयमें 8वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। दो दिवसीय इस खेलकूद महाकुंभ में छात्राओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का सफल आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व स्पोर्ट्स बोर्ड की संयोजिका डॉ. प्राची मान की देखरेख में संपन्न हुआ। मंच संचालन की कमान डॉ. निर्मल सिंह ने संभाली। समापन अवसर पर मॉडर्न स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बड़ागढ़ की प्रसिद्ध हॉकी कोच रेणु ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कॉलेज परिसर पहुंचने पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी और आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य अतिथि रेणु ने छात्राओं को खेलों का महत्व समझाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और खेलों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी ने सभी प्रतिभागी छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं और उनके भीतर छिपे नेतृत्व व अनुशासन के गुणों को बाहर लाती हैं।100 मीटर दौड़ में शालिनी ने प्रथम, रितु ने द्वितीय और मनप्रीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 200 मीटर दौड़ में एक बार फिर शालिनी प्रथम रहीं जबकि रितु ने दूसरा और वंशिका ने तीसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर रिले रेस के रोमांचक मुकाबले में ख़ुशी, कृति, महक और स्नेहा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रितु, रितिका, मोनिका और शालिनी की टीम दूसरे तथा गीतांजलि, अर्पणा, तरणदीप और मुस्कान की टीम तीसरे स्थान पर रही। वहीं 200 मीटर रिले रेस में शालिनी और स्नेहा की जोड़ी ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया, मनविंदर कौर और नरसीरत कौर द्वितीय स्थान पर रहीं, तथा निशु रानी और गीतांजलि रानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।लंबी कूद स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शालिनी ने एक बार फिर प्रथम स्थान अपने नाम किया, जबकि तमन्ना द्वितीय और वंशिका तृतीय स्थान पर रहीं।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 अक्टूबर 2026

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।





क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंगलुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। *

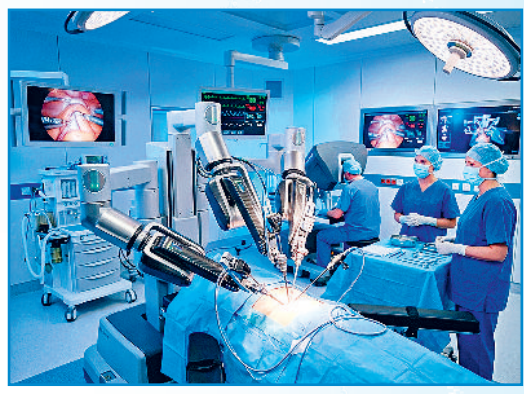


कई देशों में हो रहे प्रयास

भले आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?



{ टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह }

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी: अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन: इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें श्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग: रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी: इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

सवाल भी है बरकरार: रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। *



{ दोहे / केदार शर्मा }

पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



{ पुस्तक अंश / सूर्यबाला }

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर अपना एकनिष्ठ वर्चस्व चाहने वाली उसके जीवन की दो अतिप्रिय स्त्रियों के क्लेश हैं क्योंकि वह दोनों का प्रिय है दोनों स्त्रियां उस पर अपना पूरा आधिपत्य चाहती हैं। पहली ने जिस बच्चे को जन्म दिया, शिशुपन से उसके सारे दुःख-सुख की साक्षी रही, एक ही रात में उस मां को एक-दूसरी युवती स्त्री द्वारा उसके पद से अपदस्थ कर दिया जाता है। (अनजाने ही सही) लेकिन बचपन से युवा होने तक जिसकी नींद सोयी, जिसकी नींद उठी, ऐसी मां और बेटे के निकटतम रक्त-संबंध के बावजूद, यह अपदस्थ मां, अपने 'दोनों बच्चों' (पुत्र-पुत्रवधु) से एक समझदार, सम्मानजनक व्यवहार, रिश्ता और निश्छल प्यार पा कर अति प्रसन्न और तृप्त भी हो सकती है, यह कोई युवती बहू शायद ही समझती हो। कम से कम प्रयोग के तौर पर ही, नाममात्र को ही, यदि वह पहले की तरह उस मां को घर की सम्राज्ञी, उसके बेटे की 'वही मां' बनी रहने का 'भरम' बनाये रख सके तो सीधे-सीधे सिर्फ भारत ही नहीं, विश्व की एक बड़ी मनोवैज्ञानिक समस्या छूमंतर हो सकती है। लेकिन इतना तक भी धैर्य कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। *



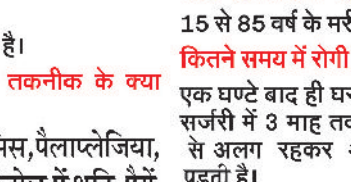
(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-



केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466



चित्तौड़गढ़ मीरा महोत्सव-2026

शौर्य की फिजा में महकती भक्ति

इतिहास में राजपूताना वीरगाथाओं से समृद्ध प्रदेश राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में आज और कल आयोजित हो रहे मीरा महोत्सव में भक्ति की बयार की अनुभूति आप कर सकते हैं। यह महोत्सव न केवल राजस्थान के इतिहास बल्कि वहां की कला, संगीत, संस्कृति से रूबरू होने का अवसर भी प्रदान करती है। इस महोत्सव की विशिष्टताओं पर एक नजर।

सांस्कृतिक आयोजन
वीना गौतम

कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जहां घूमने का अर्थ केवल खूबसूरत इमारतों को देखना, तस्वीरें खींचना और रास्ते में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना भर नहीं होता। वहां की मिट्टी, हवा और पत्थर भी कोई कहानी सुनाते हैं। राजस्थान का चित्तौड़गढ़ ऐसी ही जगह है। यहां दुर्ग की ऊंची प्राचीरें शौर्य और बलिदान की गाथाएं कहती हैं, विजय स्तंभ इतिहास की विराटता का अहसास कराता है और इन्हीं ऐतिहासिक दीवारों के बीच स्थित मीरा मंदिर प्रेम, समर्पण और आत्मिक स्वतंत्रता की एक बिल्कुल अलग दुनिया में ले जाता है। आज 25 और कल 26 अक्टूबर 2026 को आयोजित हो रहा मीरा महोत्सव ऐसा ही एक खास अवसर है।

संगीत-परंपरा की अनुभूति : राजस्थान पर्यटन के अनुसार इस दो दिवसीय आयोजन में मीरा की भक्ति, कविता, संगीत और राजस्थान की लोकपरंपराओं को केंद्र में रखा जाएगा। ऐसे में यह सफर केवल एक ऐतिहासिक शहर की सैर नहीं बल्कि उस प्रेम स्वरूपा महाभक्त मीरा को समझने का अवसर भी है, जिसने राजमहलों की मर्यादाओं के बीच अपने मन की स्वतंत्रता और कृष्ण के प्रति अपनी अनन्य भक्ति को चुना।

बहती है मीरा की भक्ति धारा: चित्तौड़गढ़ का नाम आते ही रानी पद्मिनी, महाराणा कुंभा, महाराणा सांगा और राजपूताना के शौर्य की स्मृतियां सामने आ जाती हैं। लेकिन इस शहर की सांस्कृतिक पहचान का एक दूसरा पक्ष भी है, जो तलवार की चमक से नहीं, वीणा की धुन और भक्ति के स्वर से उजागर होता है। मीरा इसी पक्ष की प्रतिनिधि हैं। सोलहवीं सदी की भक्त-कवयित्री मीराबाई का जीवन कृष्ण के प्रति उनकी अनन्य आस्था और सामाजिक रूढ़ियों से टकराने के लिए याद किया जाता है। उनके पदों में प्रेम है, विरह है, प्रतीक्षा है और अपने आराध्य के प्रति ऐसा समर्पण है, जो किसी एक काल या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उनकी कविता मंदिरों से निकलकर लोकगीतों, शास्त्रीय संगीत, भजन मंडलियों और आम लोगों की स्मृतियों में पहुंची। मीरा महोत्सव के दौरान भक्ति संगीत, काव्य और लोककलाओं के कार्यक्रम इस विरासत को नए सिरे से महसूस करने का अवसर देंगे।



पद्मिनी महल से गौमुख कुंड

ऐतिहासिक मीरा दुर्ग का दीदार: चित्तौड़गढ़ की यात्रा का सबसे प्रभावशाली पड़ाव है इसका विशाल दुर्ग। लगभग 180 मीटर ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह ऐतिहासिक परिसर दूर से ही अपने विस्तार और भव्यता से आकर्षित करता है। इसकी लंबी चढ़ाई, प्रवेशद्वार और भीतर फैले स्मारक, आगंतुकों को धीरे-धीरे उस दौर में ले जाते हैं, जब मेवाड़ की राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान इसी दुर्ग से आकार लेती थी। इसकी प्राचीरों पर खड़े होकर आस-पास के भू-भाग को देखना अपने आपमें एक अनुभव है। यहां इतिहास किसी बंद संग्रहालय में रखी वस्तु की तरह नहीं बल्कि खुले आकाश के नीचे फैले परिदृश्य की तरह सामने आता है। समय ने कई इमारतों को क्षतिग्रस्त किया, लेकिन उनके अवशेष आज भी सत्ता, संघर्ष, कला और स्मृति की परतें खोलते हैं। विजय स्तंभ इसकी पहचान का प्रमुख हिस्सा है। इसकी बारीकियों को देखते हुए समझ आता है कि मध्यकालीन भारत में स्मारक केवल विजय का प्रतीक नहीं बल्कि शिल्पकला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम भी थे।

आकर्षक मीरा मंदिर: इसी दुर्ग के भीतर मीरा मंदिर पहुंचकर यात्रा का स्वर बदल जाता है। यहां राजसी वैभव और युद्धों की



मीरा मंदिर

स्मृतियों के बीच भक्ति की एक शांत दुनिया दिखाई देती है। मंदिर की स्थापत्य शैली, नक्काशी और परिसर का वातावरण पर्यटकों को कुछ देर ठहरने के लिए बाध्य करता है। यहां पहुंचकर मीरा के पदों को याद करना इस यात्रा को और अर्थपूर्ण बना सकता है। उनके काव्य में कृष्ण केवल आराध्य नहीं, बल्कि आत्मीय संवाद के साथी हैं। मीरा का प्रेम किसी सांसारिक उपलब्धि की आकांक्षा नहीं रखता, वह अपने विश्वास के साथ जीने की स्वतंत्रता का भी प्रतीक है। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनकी कविता अलग-अलग भाषाओं और पीढ़ियों के लोगों को छूती है। मीरा मंदिर में कुछ समय शांत बैठकर आसपास के स्थापत्य को देखकर कल्पना कर सकते हैं कि कैसे किसी कवयित्री की निजी अनुभूति धीरे-धीरे सामूहिक सांस्कृतिक विरासत बन जाती है। पर्यटन का असली आनंद शायद इसी बिंदु पर मिलता है, जब कोई जगह केवल देखने की वस्तु नहीं रहती, बल्कि भीतर कुछ बदलने का अवसर बन जाती है।

ये स्थल भी हैं दर्शनीय: जब आप मीरा महोत्सव में शामिल होने के लिए चित्तौड़गढ़ जाएं तो यहां स्थित कई और स्थलों को देख सकते हैं। रानी पद्मिनी का महल, राणा कुंभा का महल, गौमुख कुंड और कालिका माता मंदिर जैसे स्थल, इतिहास तथा स्थापत्य के अलग-अलग रूप सामने लाते हैं। पद्मिनी महल का परिसर और उसके आस-पास का जलाशय दुर्ग के दृश्यात्मक आकर्षण को बढ़ाते हैं, जबकि राणा कुंभा का महल, मेवाड़ की राजसी विरासत को समझने का अवसर देता है। गौमुख कुंड पर पहुंचकर कुछ देर ठहरना अविस्मरणीय अनुभव हो सकता है। चट्टान से निकलकर कुंड में पहुंचते जलस्रोत का दृश्य प्रकृति और आस्था के पुराने संबंध की याद दिलाता है। दुर्ग के भीतर जैन मंदिर भी हैं, जिनकी बारीक नक्काशी और स्थापत्य विविधता इस क्षेत्र की बहुधार्मिक सांस्कृतिक विरासत का परिचय देती है। *

इसे भी करें एंज्वॉय

चित्तौड़गढ़ की यात्रा में राजस्थानी खान-पान का स्वाद भी शामिल होना चाहिए। दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी और स्थानीय शैली में तैयार पारंपरिक व्यंजन भोजन को यात्रा का यादगार हिस्सा बना सकते हैं। स्थानीय बाजारों में हस्तशिल्प, पारंपरिक कपड़े और क्षेत्रीय कलाकृतियां देखी, खरीदी जा सकती हैं।

बेहतर और सफल जीवन जीने के लिए सबको बदलने के बजाय खुद को समझिए और जरूरी बदलाव कीजिए। इससे आप मनचाही सफलता तो पाएंगे ही, जीवन में सार्थकता भी आएगी।

दुनिया को नहीं खुद को बदलिए

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन



अधिकतर लोग अकसर इसलिए परेशान रहते हैं कि ये दुनिया वैसी क्यों नहीं है, जैसी वे चाहते हैं? सच कहा जाए तो उनकी परेशानी का मूल ही यही सोच है। सुकून, समृद्धि और सफलता के लिए असल में जरूरत होती है खुद को बदलने की।

व्यर्थ न करें मानसिक ऊर्जा: दूसरों को बदलने की कोशिश में अपनी ऊर्जा बर्बाद मत कीजिए। हमारे तनाव का बड़ा हिस्सा अकसर उन चीजों से आता है, जो हमारे नियंत्रण में हैं ही नहीं। कोई हमारे बारे में क्या सोचता है, किसने हमें फोन नहीं किया, किसी ने हमारी बात क्यों नहीं मानी या किसी ने हमारे साथ वैसा व्यवहार क्यों नहीं किया जैसा हम चाहते थे? इन सवालों में मानसिक ऊर्जा खपती है। 'लेट देम' थ्योरी इसी प्रवृत्ति से बाहर निकलने का एक सरल तरीका है। किसी के व्यवहार से परेशान हों तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय खुद से पूछें, 'क्या यह मेरे नियंत्रण में है?' यदि जवाब 'नहीं' है तो अपनी ऊर्जा बचाइए।

समझें समय का सही उपयोग: समय बचाने से पहले यह तय कीजिए कि समय किसके लिए चाहिए? आज समय प्रबंधन पर हजारों तकनीकें उपलब्ध हैं, लेकिन हमारी टू-डू लिस्ट फिर भी खत्म नहीं होती। याद रखिए, हमारे पास हर काम करने के लिए अनंत समय नहीं है, इसलिए हर अवसर स्वीकार करना और हर काम पूरा करना संभव नहीं। इसका सीधा अर्थ है, प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। जिस काम के लिए समय नहीं है, उसे 'नहीं' कहना भी समय प्रबंधन है।



लोगों की परवाह छोड़िए: 'लोग क्या कहेंगे' जैसे डायलॉग को जिंदगी का कंट्रोलर मत बनने दीजिए। समाज की राय जरूरी हो सकती है, लेकिन यदि हर निर्णय इसी डर से लिया जाए कि दूसरे क्या सोचेंगे तो धीरे-धीरे अपनी पसंद, पहचान और इच्छा दबने लगती है। आपका काम, आदतें, स्वभाव हर व्यक्ति को पसंद आना संभव भी नहीं, जरूरी भी नहीं। यदि हर टिप्पणी आपके फैसले बदलने लगे तो जीवन आपका होकर भी आपका नहीं रहेगा। दूसरों का सम्मान कीजिए, पर अपनी जिंदगी का नियंत्रण उनके हाथ में मत दीजिए।

दिमाग पर हावी न हो मोबाइल: आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जो उपकरण हमें दुनिया से जोड़ने के लिए बना था, वही हमारा ध्यान सबसे ज्यादा भंग कर रहा है। हर कुछ मिनट में फोन देखना, रील बदलना, नोटिफिकेशन जांचना और बिना उद्देश्य स्क्रॉल करना एक आदत सी बन गई है। समाधान तकनीक को त्यागना नहीं, बल्कि उसकी सीमा तय करना है। सुबह उठते ही फोन न देखना, भोजन के समय उसे दूर रखना और सोने से पहले कुछ समय स्क्रीन-मुक्त रखना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। डिजिटल अनुशासन आज की नई जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा है।

रिश्तों में बातचीत जरूरी: हमारी कई पारिवारिक और व्यक्तिगत समस्याएं वास्तविक घटना से ज्यादा उसके बारे में बनाए गए अनुमान से पैदा होती हैं। किसी ने देर से जवाब दिया तो हमने मान लिया कि वह नाराज है। किसी ने कम बात की तो मान लिया कि रिश्ता खराब हो गया। इसके बजाय सीधे संवाद करना बेहतर है। आरोप लगाने के बजाय सवाल पूछिए, प्रतिक्रिया देने से पहले सामने वाले की बात सुनिए। रिश्तों में हर बात पर सहमत होना जरूरी नहीं, लेकिन असहमति के बीच सम्मान बचा रहना जरूरी है। अच्छा रिश्ता वह नहीं, जिसमें कभी झगड़ा न हो, अच्छा रिश्ता वह है, जिसमें झगड़े के बाद बातचीत का दरवाजा बंद न हो।

मुझसे नहीं होगा सोचना ठीक नहीं: कई क्षमताएं अभ्यास और सीखने से विकसित हो सकती हैं। उम्र, पिछली असफलता या पुरानी पहचान को भविष्य की अंतिम सीमा मान लेना जरूरी नहीं। जिसने कभी मंच पर भाषण नहीं दिया, वह अभ्यास से वक्ता बन सकता है। जिसने कभी नहीं लिखा, वह लिखना सीख सकता है। जिसने तकनीक से दूरी बनाई है, वह धीरे-धीरे डिजिटल कौशल हासिल कर सकता है।

व्यस्त नहीं एकाग्र रहें: एक साथ कई काम करने की हमारी आदत वास्तव में कई बार सारे कामों की गुणवत्ता कम कर देती है। लगातार आने वाले संदेश, ई-मेल और नोटिफिकेशन दिमाग को एक काम से दूसरे काम की ओर खींचते रहते हैं। इसलिए रोज कुछ समय एक महत्वपूर्ण काम के लिए बिना व्यवधान के निर्धारित करना उपयोगी है। तीस मिनट के कंसंट्रेशन टास्क से शुरुआत कीजिए। मोबाइल दूर रखिए, अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद कीजिए। *

प्रिकॉशन
शैलेंद्र सिंह

इन दिनों यंगस्टर्स में ईयरफोन से म्यूजिक सुनने की हैबिट बहुत तेजी से बढ़ रही है। लेकिन असावधानी बरतने पर इससे सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। विश्व श्रवण दिवस (27 अक्टूबर) पर जानिए उपयोगी बातें।

हार्मफुल हो सकती है ईयरफोन की दीवानगी





बस-मेट्रो में सफर करता युवा, अपनी गाड़ी में बैठकर ऑफिस जा रहा प्रोफेशनल हो, सड़क पर पैदल चलता किशोर, जिम में पसीना बहाता यंगस्टर या रात को बिस्तर पर लेटा विद्यार्थी, इन सबके बीच इन दिनों जो हैबिट तेजी से पॉपुलर हुई है, वह है- कानों में ईयरफोन लगाए रहना। म्यूजिक, पॉडकॉस्ट, वीडियो और ऑनलाइन बातचीत की दुनिया अब इतनी निजी हो गई है कि आस-पास की आवाजें कई बार हमारे लिए गैर जरूरी हो जाती हैं। लेकिन इस निजी दुनिया का एक खतरा भी है। जिस पर हम अकसर तब तक ध्यान नहीं देते, जब तक सुनाई देने वाली आवाजें धीमी नहीं पड़ने लगतीं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी: डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया भर में 12 से 35 वर्ष के 1 अरब से ज्यादा युवाओं को मनोरंजन के दौरान तेज आवाज के असुरक्षित संपर्क के कारण सुनने की क्षमता प्रभावित होने का खतरा रहता है। इसमें व्यक्तिगत ऑडियो, उपकरणों पर तेज आवाज में संगीत सुनना और मनोरंजन स्थलों पर अधिक शोर शामिल है।

स्मार्टफोन और म्यूजिक: पहले संगीत सुनने के लिए हम रेडियो, टेप रिकॉर्डर या म्यूजिक सिस्टम का सहारा लेते थे। लेकिन अब कुछ सेकेंड में ही हम अपने मनपसंद गाने सुन सकते हैं। यह सुविधा उपलब्ध कराई है, हमारी जेब में मौजूद रहने वाले स्मार्टफोन ने। यात्रा के दौरान, पढ़ाई करते समय, व्यायाम के वक्त और कई बार सोने से पहले तक हमारे विशेषकर युवाओं के कानों में ईयरफोन लगे रहते हैं। जिन कोशिकाओं की मदद से ध्वनि के संकेत हमारे मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, वे कोशिकाएं लगातार डिजिटल संगीत के संपर्क में रहने के कारण क्षतिग्रस्त होने लगती है। इससे सुनने की क्षमता प्रभावित होने लगती है।

खतरा केवल तीव्रता में नहीं: जोखिम तय करने में तीन बातें अहम है- आवाज कितनी तेज है, वह कितनी देर तक सुनी जा रही है और ऐसा कितनी बार होता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक श्रवण संबंधी सुरक्षित दिशा-निर्देशों के तहत औसतन 80 डेसिबल की ध्वनि के संपर्क में एक सप्ताह में 40 घंटे तक रहने से वयस्कों के लिए संदर्भित सुरक्षित सीमा मानी जाती है। यदि आवाज का स्तर 90 डेसिबल हो जाए, तो यह अवधि घटकर सप्ताह में केवल 4 घंटे रह जाती है। इसका मतलब है कि यांत्रिक आवाज थोड़ी भी बढ़ जाए तो कान की सुरक्षा प्रणाली असुरक्षित हो जाती है।

संगीत सुनिए लेकिन: संगीत जरूर सुनिए, लेकिन संगीत हमेशा सुनने की शक्ति बचाकर सुनिए। आवाज कम रखिए, चार-चार घंटे तक लगातार संगीत ही नहीं किसी भी वॉयस को सुनने से बचिए। हर आधे या एक घंटे बाद कानों को आराम दीजिए। आखिरकार संगीत जिंदगी को खूबसूरत बनाने का जरिया है, लेकिन इससे अपनी जिंदगी में सुनने की शक्ति को खत्म करके बदसूरत न बनाएं। *



'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां' गीत दृश्य



फिल्म 'बागबान' का इमोशनल सीन



'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा' गीत दृश्य

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों में दांपत्य प्रेम को अलग-अलग तरह से प्रस्तुत किया जाता रहा है। कई ऐसे गीत रचे गए हैं, जो आज भी करवा चौथ जैसे पर्व पर जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों और दांपत्य प्रेम पर केंद्रित गीतों पर एक नजर।

फिल्मी गीतों में खूब दमकता रहा है दांपत्य प्रेम

पारिवारिक, धार्मिक ही नहीं हर तरह की हिंदी फिल्मों में पति-पत्नी के रिश्ते को बहुत महत्व दिया जाता रहा है। खासतौर पर दांपत्य जीवन खुशहाल बनाने के लिए पत्नी के द्वारा किए जाने वाले त्याग और समर्पण को भी फिल्मों में अलग-अलग नजरिए से फिल्माया जाता रहा है। पत्नी के द्वारा अपने सुहाग यानी पति के लिए व्रत की बात आती है तो बॉलीवुड में इस पर भी केंद्रित कुछ फिल्मी दृश्य और एक से बढ़कर सुंदर गीत रचे गए हैं।

यादगार हैं ये गीत: पति-पत्नी के प्रेम को समर्पित करवा चौथ के गीतों की बात करें तो 65 वर्ष पहले बनी फिल्म 'बहू-बेटी' का एक गीत सबसे पहले याद आता है। माला सिन्हा, अशोक कुमार, जॉय मुखर्जी और मुमताज स्टारर इस फिल्म में आशा भोंसले के गाए गीत 'आज है करवा चौथ सखी री, मांग ले सुख दान' को आज भी याद किया जाता है। इसमें करवा चौथ के पर्व को जिस तरह से उत्सव जैसा दिखाया गया, वह बाद की फिल्मों के लिए नजीर बना। इसके बाद भी कुछ फिल्मों में करवा चौथ से जुड़े गीत या कहानी पर आधारित दृश्यों ने पति के प्रति पत्नी के प्रेम, निष्ठा, समर्पण, त्याग और सम्मान को प्रभावी तरीके से पेश किया जाता रहा है।

वर्ष 1969 में रिलीज हुई फिल्म 'सुहागरात' का गीत 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे', भी दांपत्य प्रेम को बहुत खूबसूरती से प्रकट करता है। इसी तरह वर्ष 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'सौदागर' में फूल बानो (पद्मा खन्ना) अपने पति मोती (अमिताभ बच्चन) के लिए जब 'सजना है मुझे सजना के लिए...' गाती हैं तो एक सजी-धजी पत्नी का चेहरा सामने आ जाता है, जो अपने पति को खुशी देने के लिए सजती-संवरती है। भले इसे करवा चौथ से सीधा जोड़ा नहीं जाए पर यह हर करवा चौथ पर उन गीतों में शामिल होता है, जो इस दिन जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं।

कुछ इसी तरह का एक गाना फिल्म 'गीत गाता चल' का है, जो 51 वर्ष पहले आई थी। 'मैं वही, दर्पण वही, न जाने ये क्या हो गया कि सब कुछ लागे नया-नया..' में सारिका-सचिन की जोड़ी एकदम से भारतीयता में रची-बसी नजर आती है। पूरी तरह लगता है कि दांपत्य प्रेम को समर्पित है यह गीत।

ये फिल्में भी हैं यादगार: करवा चौथ को पूरी तरह से समर्पित फिल्म 'करवा चौथ' 1978 में रामलाल हंस ने बनाई थी, जो इस पर्व के लिए पहली फिल्म मानी जाती है। आशीष कुमार, कामिनी कौशल, आद्या, पद्म चव्हाण, रमेश देव और हेलन ने इसमें अभिनय किया था। उषा मंगेशकर के गाए गीत 'करवा चौथ का व्रत ऐसा', इस मूवी का मुख्य गीत था। इसमें हेलन ने अपनी सखियों के साथ पारंपरिक तौर तरीके से करवा चौथ को सेलिब्रेट किया।



'करवाचौथ का व्रत ऐसा' गीत मे हेलन

करवा चौथ पर दांपत्य प्रेम को प्रभावी तरीके से प्रेजेंट करने वाली दो और फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है। ये हैं- 'मांग भरो सजना' और 'सुहागरात'। सन 1980 में जब 'मांग भरो सजना' में पति का दो पत्नियों के बीच में संतुलन बनाने का प्रयास करना, उस दौर में महिलाओं के बीच सर्वाधिक चर्चा का विषय बन गया था। रेखा और मौसमी चटर्जी के किरदारों ने इसमें जीतेंद्र के लिए व्रत रखकर पूरे समर्पण के साथ इस गीत के फिल्मांकन को प्रस्तुत किया है। आशा भोसले तथा लता मंगेशकर की आवाज में गाया यह गीत, 'दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे...' आज भी करवा चौथ के अवसर पर विवाहित महिलाएं सुनना पसंद करती हैं।

पति के साथ को समर्पित भावुक गीत: फिल्म 'सुहागरात' का गीत, 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे...' पत्नी का पति के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा को दिखाता है। उसका मन सूरज-चांद से भी नहीं भर रहा है तो वह पति की जिंदगानी के लिए उससे आगे निकल जाती है। उसे लगता है कि सूरज चांद तो छिप सकते हैं पर मां गंगा कभी नहीं सूखेंगी और वह उससे अपने पति का जीवन जोड़ देती है। दांपत्य प्रेम की पराकाष्ठा व्यक्त करता है यह गीत।

ये गीत-दृश्य भी हैं दांपत्य को समर्पित: नए दौर की फिल्मों में भी कई गीत ऐसे रचे गए, जिन्होंने दर्शकों को करवा चौथ के प्रति संवेदनशील बनाया और इस पर्व की महत्ता को नया मोड़ दिया। इनमें 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का 'घर आ जा परदेसी', 'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां', 'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा बादल में', 'जख्म' का 'गली में आज चांद निकला' के अतिरिक्त भी कई ऐसे गीत हैं, जो भले ही करवा चौथ का आधार नहीं लेते हों पर इस दिन विवाहित महिलाएं गुनगुनाती नजर आती हैं। हां, 'राजा हिंदुस्तानी' का वह सीन भी इस दिन अवश्य याद आता है, जिसमें करिश्मा कपूर अपने पति के लिए निर्जला व्रत रखती है और एक भावनात्तक मोड़ इसका एंड करता है। ठीक वैसे ही जैसे करवा चौथ पर चांद देखने के बाद पति-पत्नी एक-दूसरे को देखते हुए ऐसे लगते हैं जैसे कह रहे हों सात जन्मों का रिश्ता है हमारा। यहां फिल्म 'बागबान' का जिक्र करना भी जरूरी है। इसमें अमिताभ का किरदार, अपनी पत्नी (हेमा मालिनी) के लिए व्रत रखता है। दोनों एक-दूसरे से दूर रहकर भी दांपत्य के अटूट प्रेम बंधन में जुड़े दिखते हैं। *

पर्व / आर. सी. शर्मा

शरद पूर्णिमा चांदनी रात में भक्ति की दिव्यता



भारतीय सनातन परंपरा में पर्व-त्योहार आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाले आध्यात्मिक सोपान भी होते हैं। इन्हीं पावन पर्वों में शरद पूर्णिमा का विशिष्ट स्थान है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति की अनुपम छटा, चंद्रमा की धवल चांदनी, श्रीकृष्ण की महारास लीला और मां लक्ष्मी की आराधना के कारण विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

महारास की दिव्य रात्रि: शरद पूर्णिमा का सर्वाधिक भावपूर्ण आध्यात्मिक संदर्भ भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला से जुड़ा है। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंद में वर्णित रासपंचाध्याई भगवान के माधुर्य स्वरूप और गोपियों की अनन्य भक्ति का अद्भुत आख्यान प्रस्तुत करती है। शरद ऋतु की निर्मल रात्रि, यमुना का तट, वृंदावन की कुंज गलियां और मुरली की मधुर तान यह समूचा परिवेश भक्ति साहित्य में दिव्यता के अनुपम बिंब के रूप में प्रतिष्ठित है। भागवत परंपरा में रासलीला को लौकिक प्रेम की सीमाओं से ऊपर उठकर ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण के भाव से देखा जाता है। महारास का आध्यात्मिक मर्म यही है कि जब अहंकार, स्वार्थ और सांसारिक आसक्ति का आवरण हटता है, तब हृदय में अनन्य भक्ति का प्रकाश प्रकट होता है। इस दृष्टि से शरद पूर्णिमा केवल चंद्रदर्शन की रात्रि नहीं बल्कि कृष्णमय चेतना में निमग्न होने का पावन अवसर है। मंदिरों में ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार, भजन-कीर्तन और रासलीला के आयोजन इसी भक्तिभाव को साकार करते हैं।

चांदनी में अमृतवर्षा: सनातन धर्म में चंद्रमा को मन का अधिष्ठाता माना गया है। वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में चंद्रदेव की उपासना, सोम की अवधारणा और शीतलता के प्रतीक के रूप में चंद्रमा का विशेष महत्त्व है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में आकाश में पूर्ण चंद्रमा अपनी उज्ज्वल आभा बिखेरता है। वर्षा ऋतु के पश्चात निर्मल आकाश और स्वच्छ वातावरण इस प्राकृतिक सौंदर्य को और भी मनोहारी बना देते हैं। लोकमान्यता है कि इस रात्रि चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है। इसी विश्वास के कारण अनेक घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे चंद्रकिरणों में रखने और अगले दिन उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करने की परंपरा प्रचलित है। इस परंपरा में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पारिवारिक सहभागिता और पवित्र भावना का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

व्रत-पूजन: शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालु अपनी पारिवारिक परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार व्रत रखते हैं। प्रातः स्नान के उपरांत देवपूजन, इष्टदेव का स्मरण और दान-पुण्य किया जाता है। संध्याकाल में चंद्रदर्शन के पश्चात चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा भी अनेक स्थानों पर प्रचलित है। मंदिरों में विशेष भोग, दीपदान, हरिनाम संकीर्तन और धार्मिक प्रवचन आयोजित किए जाते हैं। कहीं श्रीकृष्ण को श्वेत वस्त्रों और पुष्पों से सजाया जाता है, तो कहीं रात्रि में भजन-मंडलियां भक्तिरस का संचार करती हैं। इन समस्त अनुष्ठानों का मूल उद्देश्य अंतःकरण की शुद्धि और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का संवर्धन है। *